Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 71
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
गुरूवार, 19 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 प्लास्टिक फूलों के बाज़ार पर कार्रवाई का...

4 दिल्ली से मुंबई तक तपता भारत क्या यह...

7 पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई ...

संक्षिप्त न्यूज

भाजपा की रणनीति को अंतिम रूप, प्रधानमंत्री मोदी की तीन रैलियां और अमित शाह का आक्रामक प्रचार

गुवाहटी। असम विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। समझौते के अनुसार भाजपा 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अप्रैल में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे, जबकि उम्मीदवारों की सूची जल्द जारी होने की संभावना है।

भाजपा ने असम के लिए अपनी चुनावी रणनीति तय कर ली है और सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे का समझौता भी कर लिया है। समझौते के अनुसार भाजपा 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद 26 सीटों पर और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार आंतरिक विचार-विमर्श के बाद सीटों का बंटवारा तय किया गया है और अब उम्मीदवारों की घोषणा तथा चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी असम में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे, जिनकी संभावित तिथियां 1 अप्रैल, 3 अप्रैल और 6 अप्रैल बताई जा रही हैं। भाजपा इन रैलियों को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि चुनाव में अपनी स्थिति को और मजबूत किया जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मार्च महीने में असम के विभिन्न क्षेत्रों में आक्रामक चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान वे कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने और जनसंपर्क अभियान को मजबूत करने के लिए कई स्थानों पर सभाएं करेंगे।

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक कर रही है।

एलपीजी संकट के बीच केंद्र का बड़ा कदम

राज्यों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त वाणिज्यिक गैस कोटा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से उत्पन्न एलपीजी की कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी का सशर्त आवंटन करने का निर्णय लिया है। यह कदम उपभोक्ताओं को एलपीजी से पाइप्ड नेचुरल गैस की ओर स्थानांतरित करने और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को बढ़ावा देने के लिए राज्यों के सहयोग पर निर्भर करेगा।

अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण देश में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस की कमी के बीच सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वाणिज्यिक एलपीजी का 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन देने की पेशकश की गई है, बशर्ते वे एलपीजी से प्राकृतिक गैस में दीर्घकालिक परिवर्तन में सहयोग करें। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सिटी गैस वितरण आवेदनों की स्वीकृति और शिकायतों के समाधान के लिए राज्य और जिला स्तर की समितियों के गठन

हेतु एक प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन दिया जाएगा। इसी प्रकार, डीम्ड सिटी गैस वितरण अनुमतियाँ जारी करने के लिए दो प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा।

शर्मा ने बताया कि सिटी गैस वितरण संस्थाओं के लिए खुदाई और पुनर्स्थापन योजना शुरू करने के लिए तीन प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन और वार्षिक किराया या पट्टा शुल्क कम करने के लिए चार प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि एलपीजी की समस्या अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है, हालांकि ऑनलाइन बुकिंग की स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि तेल विपणन कंपनियों द्वारा 17 मार्च 2026 को 2300 से अधिक अचानक निरीक्षण किए गए। 30 राज्यों ने अपने राज्य नियंत्रण कक्ष स्थापित कर लिए हैं और 22 राज्यों ने जिला नियंत्रण कक्ष भी चालू कर दिए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कई राज्यों ने व्यावसायिक सिलेंडरों का आवंटन शुरू कर दिया है। 15 राज्यों ने वितरकों को व्यावसायिक एलपीजी का आवंटन कर दिया है और पिछले चार दिनों में देश भर में लगभग 7200 टन व्यावसायिक एलपीजी वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है और रिफाइनरियां अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं। तरलीकृत प्राकृतिक गैस की भी पर्याप्त आपूर्ति है। सरकार उपभोक्ताओं से एलपीजी के बजाय पाइप्ड नेचुरल गैस का उपयोग करने की अपील कर रही है।

भव्य योजना से मिलेंगे लाखों रोजगार, हाईवे, हाइड्रो पावर और एमएसपी पर भी हुआ बड़ा फैसला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले लिये। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार के इन फैसलों की जानकारी दी। देखा जाये तो देश की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को जमीन पर उतारने के लिए मोदी सरकार ने एक साथ कई बड़े और निर्णायक फैसले लेकर यह साफ कर दिया है कि अब विकास केवल नारा नहीं बल्कि ठोस रणनीति बन चुका है। उद्योग, ऊर्जा, आधारभूत संरचना और किसानों के हितों को एक साथ साधने वाली यह श्रृंखला देश की दिशा बदलने की ताकत रखती है।

सबसे बड़ा और सबसे असरदार फैसला है भारत औद्योगिक विकास योजना अर्थात भव्य का शुभारंभ। तैंतीस हजार छह सौ साठ करोड़ रुपये के भारी भरकम निवेश से देशभर में सौ प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। यह सिर्फ जमीन पर फैक्टरी लगाने की योजना नहीं है बल्कि उद्योगों के लिए तैयार मंच देने की क्रांति है। अब निवेशक को अनुमति, जमीन, बिजली, पानी और ढांचे के लिए दर दर नहीं भटकना होगा। सब कुछ पहले से तैयार मिलेगा और उद्योग सीधे उत्पादन शुरू कर सकेगा।

यह योजना राज्यों और निजी क्षेत्र की भागीदारी से लागू होगी और एक नई प्रतिस्पर्धा पैदा करेगी जिसमें वही राज्य आगे आएंगे जो सुधार और निवेश के लिए तैयार होंगे। एक करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक की सहायता के साथ तैयार कारखाना शेड, गोदाम, परीक्षण प्रयोगशाला और श्रमिक आवास जैसी सुविधाएं उद्योगों को नई ताकत देंगी। यह कदम न केवल रोजगार का विस्फोट करेगा बल्कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित होगा।

इसके अलावा, ऊर्जा के मोर्चे पर भी सरकार ने साफ संकेत दे दिया है कि अब विकास और पर्यावरण साथ साथ चलेंगे। छोटी जल विद्युत परियोजना के तहत दो हजार पांच सौ चौरासी करोड़ रुपये खर्च कर पंद्रह सौ मेगावाट क्षमता विकसित की जाएगी। खास बात यह है कि यह परियोजनाएं पहाड़ी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में लगेंगी जहां अब तक विकास की गति धीमी रही है।

इन परियोजनाओं से न केवल स्वच्छ ऊर्जा मिलेगी बल्कि दूरदराज के इलाकों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। निर्माण के दौरान 51 लाख व्यक्ति दिवस रोजगार और लंबे समय तक संचालन में रोजगार का स्थायी स्रोत तैयार होगा। यह योजना बिना बड़े विस्थापन और पर्यावरणीय नुकसान के विकास का नया मॉडल पेश करती है।

इसके साथ ही सड़क और संपर्क के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा दांव खेला है। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी से बहराइच तक चार लेन नियंत्रित राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है जिस पर लगभग छह हजार नौ सौ उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह परियोजना केवल सड़क नहीं बल्कि आर्थिक धमनी साबित होगी। तेज रफ्तार, कम समय, कम ईंधन खर्च और बेहतर सुरक्षा के साथ यह मार्ग नेपाल सीमा तक व्यापार और आवाजाही को नई गति देगा। रुपईडीहा भूमि बंदरगाह तक पहुंच आसान होगी और कृषि व्यापार, पर्यटन तथा सीमापार कारोबार में उछाल आएगा। यह परियोजना लाखों व्यक्ति दिवस रोजगार पैदा करेगी और पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई जान देगी।

इसके अलावा, किसानों के लिए भी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। कपास किसानों को सीधी राहत देने के लिए सत्रह सौ अठारह करोड़ रुपये से अधिक की सहायता को मंजूरी दी गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था के तहत कपास निगम किसानों से सीधे खरीद करेगा ताकि बाजार में गिरते दाम के कारण किसानों को नुकसान न उठाना पड़े।

टीवीके नेता ने रजनीकांत पर टिप्पणी के लिए माफी मांगी- कहा- नीचा दिखाने का इरादा नहीं था

नई दिल्ली। टीवीके के महासचिव आधव अर्जुन ने अभिनेता रजनीकांत के राजनीतिक प्रवेश पर अपनी पिछली टिप्पणी के लिए उनसे माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उनका इरादा उन्हें नीचा दिखाने का नहीं था। शीर्ष अभिनेता की ओर से हुई आलोचना के बाद अर्जुन ने मंगलवार रात यहां तमिलगा वेट्री कजगम की एक बैठक को संबोधित करते हुए माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें गलत समझा गया था।

मेरी बात को गलत समझा-अर्जुन

अर्जुन ने कोलाथुर में पार्टी की बैठक में कहा 'मेरा मकसद रजनीकांत को नीचा दिखाना नहीं था, जो मेरे नेता (अभिनेता-राजनेता विजय) के भी नेता हैं। मैंने तो बस इतना कहा था कि यह डीएमके की साजिश है। मुझे समझ आता है कि उन्होंने मेरी बात को गलत समझा।' उन्होंने आगे कहा कि उनका यह कहना

नहीं था कि रजनीकांत डरे हुए थे। 'उनके बयान से मुझे लगता है कि उन्हें ठेस पहुंची होगी... मेरा इरादा कुछ और था। अगर मेरी बात को गलत समझा गया है, तो मैं खुले तौर पर खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं।'

रजनीकांत ने क्या प्रतिक्रिया दी

अर्जुन ने आगे कहा कि रजनीकांत से काफी छोटा होने के कारण, उन्हें अपनी युवावस्था में चुनाव संबंधी काम करने का अवसर मिला, और एक सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि रजनीकांत ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की घोषणा के तुरंत बाद 18 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। उन्होंने दावा किया कि यह कुछ असाधारण था और इसने रजनीकांत के दुश्मनों के बीच भय पैदा कर दिया। 17 मार्च को रजनीकांत ने अर्जुन के इस आरोप का जवाब देते हुए इसे असत्य बताया कि जब उन्होंने राजनीति में प्रवेश करने का प्रयास किया तो डीएमके ने उन्हें धमकी दी थी। रजनीकांत ने एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने बयान में कहा, समय बोलता नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करता है और जवाब देता है।' अपने संक्षिप्त बयान में रजनीकांत ने उन सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, मंत्रियों, शुभचिंतकों और प्रशंसकों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने इस विवाद में उनका समर्थन किया था।

क्या है मामला

अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी पलानीस्वामी, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, राज्य मंत्री एस रेगुपति, भाजपा के राज्य प्रमुख नैनार नागेंद्रन और रजनीकांत के पूर्व सलाहकार रा अर्जुनमूर्ति ने सुपरस्टार पर अर्जुन की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

देवेगौड़ा पर खरगे की चुटकी

मोहब्बत हमारे साथ, शादी मोदी साहब के साथ, पीएम भी नहीं रोक पाए हंसी

नई दिल्ली। संसद में सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों की विदाई के दौरान, मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने व्यंग्यात्मक अंदाज से सबका ध्यान खींचा, जब उन्होंने एच डी देवेगौड़ा की राजनीतिक निष्ठा पर सवाल उठाते हुए उन्हें विपक्ष से प्रेम और मोदी जी से शादी करने की सलाह दी। खरगे की इस टिप्पणी ने जेडीएस और भाजपा के बीच पनपते संभावित गठबंधन की ओर एक गहरा राजनीतिक संकेत दिया, जिससे सदन में हंसी की लहर दौड़ गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की एक चुटीली टिप्पणी ने संसद में चल रही गंभीर बहस को हंसी के माहौल में बदल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा पर उनके व्यंग्यात्मक कटाक्ष ने प्रधानमंत्री को भी मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। संसद की कार्यवाही के दौरान, खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में दिए गए देवेगौड़ा

के बयान पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। शब्दों का चतुराई से प्रयोग करते हुए खरगे ने कहा कि देवेगौड़ा विपक्ष के साथ साझेदारी तो चाहते हैं, लेकिन भाजपा के साथ विवाह करना चाहते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, 'प्रेम हमारे साथ, शादी मोदी जी के साथ', जिससे सदन में हंसी गूंज उठी। खरगे ने कहा कि मैं देवेगौड़ा जी को 54 वर्षों से अधिक समय से जानता हूँ और मैंने उनके साथ बहुत काम किया है। बाद में, मुझे नहीं पता क्या हुआ... 'वो मोहब्बत हमारे साथ कीजिए, शादी मोदी साहब के साथ'। खरगे की यह उपमा विपक्ष द्वारा हाल के दिनों में देवेगौड़ा और उनकी पार्टी से मिल रहे मिले-जुले संकेतों की ओर इशारा करती है। विपक्षी दलों से संबंध बनाए रखते हुए, देवेगौड़ा ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशंसा में भी बयान दिए हैं, जिससे राजनीतिक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न हुई हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने उच्च सदन से सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों को विदाई देने में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि लोक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता औपचारिक पदों से परे भी जारी रहती है। खुद जून में राज्यसभा से सेवानिवृत्त होने वाले खरगे ने विदाई समारोह में भाग लिया, जिसकी शुरुआत सांसदों द्वारा अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा करने वाले सेवानिवृत्त सांसदों को शुभकामनाएं देने से हुई। चर्चा के दौरान बोलते हुए, खरगे ने संसदीय जिम्मेदारियों की चिरस्थायी प्रकृति और सदन की निरंतरता पर प्रकाश डाला।खरगे ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की सदन में वापसी पर भी संतोष व्यक्त किया।

कंगना रनौत का राहुल गांधी पर वार

बोलीं- टपोरी की तरह करते हैं व्यवहार, उन्हें अपनी बहन से सीखना चाहिए

नई दिल्ली। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उनका व्यवहार महिलाओं को असहज करता है और उनमें शिष्टाचार की कमी है। संसद में राहुल गांधी के आचरण की आलोचना के बारे में सवालों का जवाब देते हुए, रानौत ने कहा कि हम महिलाओं को बहुत ज्यादा उन्हें देखकर असहज महसूस होता है, क्योंकि एकदम जैसे टपोरी की तरह वो आते हैं और किसी को भी 'ऐ तू' ऐसे करके, 'तू तड़ाक' करके बात करते हैं। अनियंत्रित तरीके से, 'टपोरी' की तरह, आक्रामक तरीके से बोलना और दूसरों को बीच में रोकना। जिस तरह से वह खुद को संचालित करते हैं वह बहुत असहज है। उन्हें अपनी बहन को देखना चाहिए - लेकिन राहुल गांधी ऐसे नहीं हैं।

राहुल गांधी के संसद परिसर में कथित आचरण को लेकर बढ़ते विवाद के बीच उनकी ये टिप्पणियां आई हैं। मंगलवार को 200 से अधिक पूर्व नौकरशाहों, राजनयिकों और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने एक खुला पत्र लिखकर उनके व्यवहार पर चिंता व्यक्त की। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों ने संसद परिसर में आयोजित विरोध प्रदर्शनों, जिनमें सीढ़ियों पर प्रदर्शन और अनौपचारिक सभाएं शामिल हैं, की आलोचना करते हुए उन्हें अनुचित और स्थापित मानदंडों के विरुद्ध बताया।

पत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि संसद भारत का सर्वोच्च संवैधानिक मंच है, जहां जनता की सामूहिक इच्छा व्यक्त की जाती है और कानून बनाए जाते हैं। इसमें कहा गया कि संसद परिसर में मर्यादा बनाए रखना केवल परंपरा की बात नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की संवैधानिक भावना का एक अनिवार्य हिस्सा है। हस्ताक्षरकर्ताओं ने तर्क दिया कि विचाराधीन आचरण स्पीकर द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन है और उन्होंने राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग की।

इस घटनाक्रम ने एक राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जिसमें सत्ताधारी पार्टी संस्थागत मर्यादा को लेकर कांग्रेस नेता पर निशाना साध रही है, जबकि विपक्षी नेता अक्सर इस विरोध को लोकतांत्रिक अधिकार बताकर इसका बचाव कर रहे हैं।

पहले धूल के गुबार ने ढका आसमान, फिर झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना

नई दिल्ली। बुधवार को उत्तरी भारत में तेज हवाओं और तूफानों के साथ भारी बारिश होने से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मानसून से पहले के शक्तिशाली तूफान की आशंका बढ़ गई है। इसके चलते भारतीय मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए औपचारिक चेतावनी जारी की है। दिल्ली, इसके आसपास के शहर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद तथा हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई कस्बे इस तेजी से आगे बढ़ रहे तूफान के सीधे रास्ते में थे, जिससे शाम को मौसम में नाटकीय बदलाव की आशंका है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शाम 5:15 बजे (आईएसटी) जारी चेतावनी के कुछ ही घंटों के भीतर पूरे दिल्ली एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका थी। चेतावनी में संकेत दिया गया था कि तूफान प्रणाली तेजी से क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। इसके तुरंत बाद दिल्ली में मौसम अचानक बदल गया, जब अचानक शहर में रेत का तूफान आया, जिसके बाद गरज और बारिश हुई। इस अचानक बदलाव से बढ़ते तापमान से कुछ राहत मिली, हालांकि इससे सामान्य स्थिति भी बाधित हुई।

रेत का तूफान गुरुग्राम और नोएडा सहित आसपास के इलाकों तक फैल गया, जिससे तूफान प्रणाली के व्यापक प्रभाव का पता चलता है। आईएमडी ने अगले 3 दिनों में दिल्ली और पूरे एनसीआर में और अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया है, जो क्षेत्र में लगातार अस्थिर मौसम का संकेत है।

संगरूर को मुख्यमंत्री भगवंत मान की बड़ी सौगात, 70 गांवों को मिलेगा आधुनिक अस्पताल का लाभ

चड़ीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर जिले के धुरी में एक आधुनिक उप-मंडल अस्पताल और विशेष मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के ढांचे को बड़ा मजबूती मिली है।

21 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से निर्मित ये सुविधाएं लगभग 73 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में फैली हुई हैं और लगभग 70 आसपास के गांवों के साथ-साथ 58 हजार से अधिक शहरी निवासियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी। यह कदम सुलभ और मरीज-केंद्रित चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की आम आदमी पार्टी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

माध्यमिक और मातृ देखभाल के लिए व्यापक सुविधाएं

इस परिसर में कुल 80 बिस्तरों की व्यवस्था है, जिसमें 50 बिस्तरों वाला उप-मंडल अस्पताल और 30 बिस्तरों वाला मातृ एवं शिशु ब्लॉक शामिल है। यह ब्लॉक महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है।

अस्पताल में 13 ओपीडी कक्ष, एक आपातकालीन ब्लॉक, बड़ी और छोटी सर्जरी के लिए सात ऑपरेशन थिएटर, दो पंजीकरण काउंटर तथा ईसीजी, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे जैसी उन्नत जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही तीन आधुनिक प्रयोगशालाएं भी स्थापित की गई हैं।

इस अस्पताल में एक ही स्थान पर मुफ्त जांच, सर्जरी और विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा मिलेगी, जिसमें कान-नाक-गला रोग और घुटना प्रत्यारोपण जैसी सेवाएं भी शामिल हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि ये अस्पताल विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञों की देखरेख में सिजेरियन और सामान्य प्रसव, आपातकालीन देखभाल तथा उन्नत उपचार की सुविधा प्रदान करेंगे, जिससे पहले स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रहे हजारों लोगों को लाभ मिलेगा।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के कारण लोगों को इलाज के लिए दूर-दूर तक यात्रा नहीं करनी पड़ेगी और धुरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 1500 से अधिक डॉक्टरों की भर्ती (जिनमें 600 से अधिक विशेषज्ञ शामिल हैं) कर चुकी है और 800 से अधिक आम आदमी क्लीनिकों में भी कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

राज्य के पाँच शहरों के लिए स्वच्छता मार्गदर्शक शहर के रूप में नवी मुंबई का प्रभावशाली प्रदर्शन

‘स्वच्छ सर्वेक्षण’ के अंतर्गत ‘स्वच्छ शहर जोड़ी’ पहल

दिव्यांश

नवी मुंबई : देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल नवी मुंबई को स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ‘स्वच्छ सर्वेक्षण’ के अंतर्गत ‘स्वच्छ शहर जोड़ी’ पहल में नवी मुंबई को मार्गदर्शक शहर के रूप में राज्य के पाँच शहरों को स्वच्छता सुधार के लिए मार्गदर्शन देने का दायित्व दिया गया है।

देश के सबसे स्वच्छ शहरों की ‘सुपर स्वच्छ लीग’ में शामिल नवी मुंबई महानगरपालिका को इस पहल के अंतर्गत तीन नगर पंचायत – कन्नड़, जिंतूर और कागे तथा दो नगर परिषद – लोणार और मलकापुर को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार के नियंत्रण में, जो इस पहल के नोडल अधिकारी हैं, नवी मुंबई महानगरपालिका के स्वच्छता अधिकारियों की एक टीम ने हाल ही में इन पाँचों शहरों का दौरा किया। टीम ने वहां की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया और सुधार के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

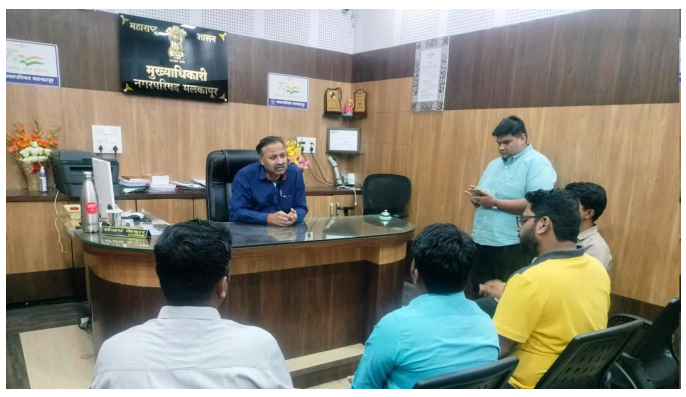

इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ‘स्वच्छ शहर जोड़ी’ पहल शुरू की गई है, जिसके तहत देश के 196 शहरों को मार्गदर्शन देने के लिए 72 मार्गदर्शक शहरों का चयन किया गया है। इनमें सुपर स्वच्छ लीग में शामिल नवी मुंबई महानगरपालिका को भी शामिल किया गया है और उसे तीन नगर पंचायतों तथा दो नगर परिषदों को मार्गदर्शन देने का दायित्व सौंपा गया है।

इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता सुधार के लिए प्रयासरत शहरों को मार्गदर्शन देना है। इसके अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता प्रबंधन की सर्वोत्तम पद्धतियाँ, सार्वजनिक स्वच्छता और नागरिक सहभागिता जैसे विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है।

नवी मुंबई महानगरपालिका देश के स्वच्छतम शहरों में से एक है। इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए महानगरपालिका ने पहल करते हुए इन पाँच शहरों को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी स्वीकार की है, ताकि वे भी अपने शहरों में स्वच्छता की गुणवत्ता को बेहतर बना सकें।

निरीक्षण के दौरान टीम ने इन शहरों में कचरा पृथक्करण प्रणाली, कचरा संग्रह व्यवस्था, कचरा निपटान व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय व्यवस्था और जल स्रोतों की स्वच्छता जैसे विभिन्न पहलुओं की जांच की और उनमें सुधार के सुझाव दिए। इसके साथ ही नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने की भी सलाह दी गई। टीम ने स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत नगर प्रोफ़ाइल में ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी और संबंधित अधिकारियों की शंकाओं का समाधान किया।

निरीक्षण के दौरान नवी मुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों ने स्थानीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ क्षेत्र का दौरा कर स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया तथा नागरिकों से भी संवाद कर स्वच्छता की स्थिति की जानकारी ली। स्वच्छता एक दैनिक प्रक्रिया है और इसमें नागरिकों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने और इसके लिए निरंतर नवाचार करने की सलाह दी गई।

इसके साथ ही ‘स्वच्छ शहर जोड़ी’ पहल में शामिल पाँचों शहरों के अध्ययन दल को नवी मुंबई महानगरपालिका का दौरा कर वहाँ की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का प्रत्यक्ष अध्ययन करने और उससे प्रेरणा लेने का आग्रह भी किया गया।

नवी मुंबई महानगरपालिका इन पाँचों शहरों की स्वच्छता प्रगति के लिए मार्गदर्शक शहर के रूप में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस पहल के माध्यम से देश के शहरों में स्वच्छता के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाने की मजबूत नींव तैयार की जा रही है।

भुसावल मंडल रेल प्रबंधक द्वारा 06 कर्मचारियों को मासिक सुरक्षा पुरस्कार प्रदान

भुसावल। भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल द्वारा विभाग के 06 कर्मचारियों को उनके कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्रदर्शित सतर्कता, संभावित दुर्घटनाओं को टालने हेतु किए गए प्रयासों तथा रेलगाड़ियों के सुरक्षित एवं सुचारू संचालन में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए मासिक सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशस्ति पत्र एवं ?1500/- की नगद राशि शामिल है।

पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची :
श्री रघुनाथ बारसकर (मुख्य टिकट निरीक्षक)
श्री छबीलदास वारके (चल टिकट निरीक्षक)
श्री वी. एम. उके (लोको पायलट माल)
श्री रतनलाल अवचारे (ट्रैकमैन)
श्री ऋषिकेश शिपी (ट्रैकमैन)
श्री चेतन अंबिकर (पॉइंट्समैन)

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि इन कर्मचारियों की जागरूकता एवं कार्य के प्रति निष्ठा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक है। इनके प्रयासों से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है तथा जन-धन और रेलवे संपत्ति की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) श्री सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) श्री एम. के. मीना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

धारा 155 के दुरुपयोग की जांच के आदेश, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी – राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राजस्व विभाग में धारा 155 के दुरुपयोग के कारण भूमि अभिलेखों में हुई गंभीर अनियमितताओं को सरकार ने संज्ञान में लिया है और इस संबंध में पूरे राज्य में विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधान परिषद में जानकारी दी कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री बावनकुले यह जानकारी सदस्य अधिवक्ता अनिल परब द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में दे रहे थे।

मंत्री बावनकुले ने बताया कि पुणे जिले में ऐसे 38,047 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 2,388 मामलों की जांच की जा चुकी है। जांच में नाम परिवर्तन, जमीन के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी या कमी और सातबारा उतारे में बदलाव जैसे मामलों का खुलासा हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच विभागीय आयुक्त के माध्यम से की जा रही है और राज्य के सभी विभागों को इस प्रकार की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। दोषी अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। साथ ही जिला कलेक्टरों को अभिलेखों की समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री बावनकुले ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस विषय पर विस्तृत कार्रवाई प्रतिवेदन सत्र समाप्त होने से पहले सदन में प्रस्तुत किया जाएगा।

मुलुंड स्थित मुक्ताबाई सालवे छात्रावास में भ्रष्टाचार के मामले में संयुक्त निरीक्षण होगा– सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट

मुंबई। मुलुंड क्षेत्र में स्थित सरकारी छात्रावास में पिछड़े वर्ग की छात्रा मुक्ताबाई सालवे के साथ कथित दुरुपयोग के मामले की जांच में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। यह जानकारी सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने विधान सभा में दी।

इस संबंध में सदस्य नारायण कुचे ने विधान सभा में प्रश्न उठाया था। इस चर्चा में सदस्य साई दहाके ने भी भाग लिया। सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने बताया कि विकास योजना के अंतर्गत कुल 20 आवास उपलब्ध हैं, जिन्हें तीन इमारतों में विभाजित किया गया है। इसके अलावा परिसर में कुल 26 आवास हैं, जिनमें विभाग के स्वामित्व वाले छह आवास भी शामिल हैं। इनमें से छह आवास दिव्यांग संस्था को नाममात्र सरकारी दर पर उपयोग के लिए दिए गए हैं। छात्रावास के किसी भी आवास को किराये पर या व्यावसायिक उपयोग के लिए नहीं दिया गया है। वर्तमान में छात्रावास की क्षमता 55 छात्राओं की है, जबकि अभी 29 छात्राएं वहां रह रही हैं। फरवरी 2026 में एक नियमित महिला गृहपाल की नियुक्ति की गई है। मंत्री शिरसाट ने बताया कि प्रशासन ने एक ऐसी छात्रा के खिलाफ कार्रवाई की, जो वर्ष 2011 से छात्रावास में रह रही थी और पढ़ाई पूरी होने के बाद भी कमरा खाली नहीं कर रही थी।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा पश्चिम रेलवे की महिला कर्मचारियों का सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा पश्चिम रेलवे की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को उनके समर्पण, प्रतिबद्धता एवं अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित करने हेतु एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम 16 मार्च, 2026 को सौहार्दपूर्ण एवं उत्सवपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें महिला रेल कर्मचारी एवं पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन के सदस्य उपस्थित थीं। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा ईशा मलिक ने विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाली 57 महिला कर्मचारियों को कार्यकारी समिति के सदस्यों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में महिला कर्मचारियों के संगठन के सुचारु संचालन में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया गया तथा उच्चस्तर की व्यावसायिकता बनाए रखने में उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की गई। यह सम्मान समारोह उनके समर्पण, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक रहा।

सभा को संबोधित करते हुए मलिक ने संगठन में महिला कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की तथा उनकी इस क्षमता की प्रशंसा की कि वे अपने व्यावसायिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए कार्य एवं निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखती हैं। उन्होंने पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को कार्यस्थल से आगे बढ़कर बालिकाओं की शिक्षा एवं सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। समान अवसरों के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग दिया जाना चाहिए तथा उन्हें आत्मविश्वासी, स्वतंत्र एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाना चाहिए। यह कार्यक्रम न केवल महिला कर्मचारियों की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए समावेशी, सहयोगपूर्ण एवं सशक्त कार्य वातावरण निर्माण के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को भी पुनः रेखांकित करता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा 11 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से 11 स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09207/09208 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09208 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09415/09416 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09415 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09416 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल (सप्ताह में 5 दिन)
ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09056 उधना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन संख्या 09037/09038 बांद्रा टर्मिनस-भुज द्वि-साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09038 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-भुज साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल को 26 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09010 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन संख्या 09011/09012 बांद्रा टर्मिनस-भुज साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09011 बांद्रा टर्मिनस-भुज स्पेशल को 28 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09012 भुज-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 29 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन संख्या 09017/09018 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09017 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल स्पेशल को 26 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09018 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

8. ट्रेन संख्या 09035/09036 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल (द्वि-साप्ताहिक)
ट्रेन संख्या 09035 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09036 उधना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 30 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

9. ट्रेन संख्या 09211/09212 गांधीग्राम-बोटाद डेली स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09211 गांधीग्राम-बोटाद स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09212 बोटाद-गांधीग्राम स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

10. ट्रेन संख्या 09216/09215 भावनगर टर्मिनस-गांधीग्राम डेली स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09216 भावनगर टर्मिनस-गांधीग्राम स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09215 गांधीग्राम-भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

11. ट्रेन संख्या 09530/09529 भावनगर टर्मिनस-धोला डेली स्पेशल (अनारक्षित)
ट्रेन संख्या 09530 भावनगर टर्मिनस-धोला स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09529 धोला-भावनगर टर्मिनस स्पेशल को 31 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

उपर्युक्त सभी आरक्षित ट्रेनों के विस्तारित फेरों की बुकिंग 20.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव एवं रेक संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे द्वारा संशोधित संरचना के साथ एलटीटी-सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस चलाई जाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे अब से ट्रेन संख्या 12219/12220 एलटीटी-सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा।

विवरण इस प्रकार हैः
ट्रेन संख्या 12219/12220 एलटीटी-सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस की संशोधित संरचनाः
एक एसी फर्स्ट, चार एसी-2 टियर, 13 एसी-3 टियर और दो जनरेटर कार
ट्रेन संख्या 12219 एलटीटी-सिकंदराबाद दुरंतो एक्सप्रेस एलटीटी से संशोधित संरचना के साथ दिनांक 25.04.2026 से चलेगी।
ट्रेन संख्या 12220 सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस सिकंदराबाद से संशोधित संरचना के साथ दिनांक 24.04.2026 से चलेगी

इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।
यात्री टिकट बुकिंग के लिए 'रेलवन' ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं।
यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त परिवर्तनों पर ध्यान दें।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं.: BSL-L-W-T-17-2026, **कार्य का विवरणः** निम्नलिखित से संबंधित विद्युतीकरण कार्यः **भाग–एः** धुले स्टेशन पर यात्री प्लेटफॉर्म और स्टेबलिंग लाइन का विस्तार; **भाग–बीः** कुरम स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग का विकास; **भाग–सीः** मुर्तिजापुर और शिरुड स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग का विकास, **अनुमानित लागतः** रु. 1,53,13,443/- **ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समयः** 08.04.2026 को 15:00 बजे, **वेबसाइट विवरणः** https://www.ireps.gov.in
DE/07
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
Supply of 65mm Stone Ballast
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई–निविदायें आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रमांकः** 08-2026-SrDENS, **कार्य का नामः** Supplying and stacking on Railway ground 65mm machine crushed stone ballast as per latest specification of RDSO/LKO of Feb-2023 with latest amendments including royalty and fees etc and loading the same into Railway hoppers/wagons etc. as directed by ADEN at site at DUD depot. (Total 50,00 m3), **अनुमानित लागतः** रु. 5,27,29,500/-, **बयाना रकमः** 4,13,700/-, **समापन की अवधिः** 18 Months, **अनुरक्षण की अवधिः** NA, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर अपलोड करने की अंतिम दिनांक और समयः** 07.04.2026 को 15:00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समयः** 07.04.2026 को 15:30 बजे तक, निविदाकारों से निवेदन है कि कोई बदलाव/शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय–समय पर भेंट दें।
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
DE/Sur-08 **मध्य रेलवे, सोलापुर**
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी को मिला नियक्ति पत्र, पुणे नगर निगम में बनी अधिकारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पहलगाम आतंकी हमले को 11 महीन बीत चुके हैं। उस आतंकी हमले में मारे गए संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले को नगर निगम में नौकरी मिली है। असावरी को पुणे नगर निगम में में एक अधिकारी के पद पर नियुक्ति पत्र मिला। उन्हें द्वितीय श्रेणी के प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति मिली है। संतोष जगदाले पुणे के निवासी थे। पिछले साल 22 अप्रैल को को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में

उनकी मौत हो गई थी। इस हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई थी। इस हमले के बाद, राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के छह पीड़ितों के परिवारों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और उनके परिजनों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी।

हालांकि, असावरी ने पिछले महीने इस बात पर अपनी निराशा व्यक्त की थी कि उन्हें आश्वासन के बावजूद सरकारी नौकरी नहीं मिली है। उन्होंने कहा था कि उनके पिता की मृत्यु के बाद से परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी जमा-पूंजी भी खत्म हो चुकी है।

जैसे ही उन्होंने मीडिया में अपनी चिंता जाहिर की, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पीएमसी कमिश्नर नवल किशोर राम को निर्देश दिया कि उन्हें सरकारी सेवा में शामिल किया जाए।

इसी के साथ आज असावरी को आज नियुक्ति पत्र मिला है। पीएमसी कमिश्नर ने शिवाजीनगर इलाके में स्थित नगर निगम मुख्यालय उन्हें पत्र सौंपा गया। यहां कई भाजपा नेता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य
ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 204 से 205वर्ष 2025-26
भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C), वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे दिए गए कामों के लिए सीलबंद ई-निविदा मंगाए गए हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में)
1	DRM BRC 204of 2025-26	DEN/East/BRC के अधिकार क्षेत्र में SSE (P.Way) BRCP के अंतर्गत 02 वर्षों के लिए ट्रैक रखरखाव कार्यों का आउटसोर्सिंग।	7,28,85,887.69	5,14,400.00
2	DRM BRC 205 of 2025-26	वडोदरा मंडल:कोसंबा, कोसाड एवं नडियाद स्टेशनों पर हाई लेवल (HL) प्लेटफॉर्म की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म का चौड़ीकरण, लिफ्ट सहित फुट ओवर ब्रिज (FOB), दिव्यांग एवं सामान्य यात्रियों के लिए शौचालय तथा अन्य संबंधित कार्यों के साथ HL प्लेटफॉर्म का विस्तार।	22,81,44,597.00	12,90,700.00

निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक **06.04.2026** को **15.00** बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को **15.30** बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -390 004.
BRC 393
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

प्लास्टिक फूलों के बाज़ार पर कार्रवाई का अधिकार नगरपालिकाओं को भी - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

प्लास्टिक फूलों पर प्रतिबंध के लिए विशेष निर्देश जारी किए जाएंगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में पहले से ही प्लास्टिक पर प्रतिबंध लागू है, लेकिन बाज़ार में कृत्रिम (प्लास्टिक) फूलों के बढ़ते उपयोग से किसानों के प्राकृतिक फूलों के व्यवसाय पर असर पड़ रहा है। इस विषय पर विधान परिषद में प्रश्नोत्तर काल के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्लास्टिक फूलों पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विशेष अधिसूचना जारी की जाएगी।

इस संबंध में सदस्य प्रवीण दरेकर ने प्रश्न उठाया। सदस्य शशिकांत शिंदे, अमित गोरखे, अमोल मिटकरी, सदाभाऊ खोत और अनिल परब ने पूरक प्रश्न पूछे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि प्लास्टिक प्रतिबंध की मौजूदा अधिसूचना के अंतर्गत प्लास्टिक और कृत्रिम फूलों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष अधिसूचना जारी की जाएगी। नगर निगमों को ऐसे बाज़ारों के विरुद्ध कार्रवाई करने का अधिकार दिया जाएगा। साथ ही प्लास्टिक फूलों का उपयोग करने वाले सजावट व्यवसायियों, भोज सभागारों और अन्य संबंधित संस्थाओं को भी नोटिस जारी किए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इस विषय में अधिक जानकारी देते हुए मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि महाराष्ट्र प्लास्टिक और थर्माकोल प्रतिबंध अधिसूचना 2018 के अनुसार सजावट में उपयोग होने वाले प्लास्टिक और थर्माकोल पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने 29 अगस्त 2025 को त्योहारों के दौरान कृत्रिम फूलों के उपयोग से बचने के लिए परिपत्र जारी किया था।

अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 1,24,783 प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिनमें से 3,390 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान 1 करोड़ 55 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया और 67.54 मीट्रिक टन एकल उपयोग प्लास्टिक जब्त किया गया।

'तीर्थ विठ्ठल, क्षेत्र विठ्ठल' कॉफीटेबल पुस्तक का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों प्रकाशन

मुंबई। 'तीर्थ विठ्ठल, क्षेत्र विठ्ठल' नामक कॉफीटेबल पुस्तक का आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों वर्षा निवास स्थान पर प्रकाशन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार अरुणा ढेरे, वरिष्ठ गायिका पद्मश्री डॉ. अश्विनी भिडे-देशपांडे, कॉफीटेबल पुस्तक के निर्माता विनोद पवार, पूर्व सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अश्विनी भिडे तथा शिष्टमंडल के सदस्य उपस्थित थे।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इतने सुंदर कॉफीटेबल पुस्तक का प्रकाशन करते हुए उन्हें अत्यंत आनंद हो रहा है। महाराष्ट्र का प्रतिबिंब हमें वारी में दिखाई देता है, वह पंढरपुर में दिखाई देता है और विठ्ठल की आराधना में अनुभव होता है। हर वारी के साथ अनेक अलग-अलग कथाएँ जन्म लेती हैं, जिन्हें इस कॉफीटेबल पुस्तक के माध्यम से अनुभव किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि तीर्थ और उस तीर्थ में विराजमान देवता दोनों ही महत्वपूर्ण होते हैं। उनके बारे में जानकारी, इतिहास और प्रमुख विशेषताएँ इस कॉफीटेबल पुस्तक के माध्यम से प्राप्त होती हैं। जानकारी और छायाचित्रों के कारण यह पुस्तक संग्रहणीय बन गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी देनी हो, तो इस पुस्तक को अवश्य शामिल किया जा सकता है। पंढरपुर की वारी को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्था के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भी यह कॉफीटेबल पुस्तक महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में भारतीय रेल की प्रगति से अवगत कराया

मुंबई उपनगरीय सेवाओं से संबंधित प्रमुख बिंदु

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में लगभग 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से समर्थन मिला है।

संसद में डिमांड्स फॉर ग्रांट्स (2026-27) पर चर्चा के दौरान, माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को देश के सभी राज्यों को लाभान्वित करने वाली उपनगरीय रेल सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी और भारतीय रेल में हो रहे इस परिवर्तन को 'धीमी गति से विकास' से 'सुपर-फास्ट ट्रांसफॉर्मेशन' की ओर एक बदलाव बताया, जो राष्ट्रीय परिवहन प्रणाली में एक नए युग की शुरुआत का संकेत है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, माननीय मंत्री ने बताया कि मुंबई उपनगरीय नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए वर्तमान में 238 नई उपनगरीय ट्रेनें निर्माणाधीन हैं। इन ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने हेतु ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सरकार मुंबई उपनगरीय सेवाओं के लिए लगभग 3,000 करोड़ की सब्सिडी प्रदान कर रही है। भारतीय रेल समग्र रूप से प्रत्येक यात्री को लगभग 45₹ तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे आम जनता को सस्ती यात्रा सुविधा उपलब्ध हो रही है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए माननीय मंत्री ने बताया कि यह परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की जा चुकी हैं। 300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण, 435 किमी फाउंडेशन कार्य, 338 किमी गर्डर लॉन्चिंग तथा 426 पियर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त, 168 किमी ट्रैक बिछाया जा चुका है तथा 146 किमी ओवरहेड इक्विपमेंट मास्ट स्थापित किए जा चुके हैं। भारत की पहली अंडरसी रेल सुरंग पर कार्य प्रगति पर है। अहमदाबाद, साबरमती, वापी, बिलिमोरा, सूरत और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स सहित प्रमुख स्टेशनों पर कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

माननीय मंत्री ने आगे बताया कि नई लाइनों का निर्माण, विद्युतीकरण तथा स्टेशन पुनर्विकास जैसी प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाएं अभूतपूर्व गति से क्रियान्वित की जा रही हैं। प्रमुख नदियों पर पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है तथा भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती जैसे क्षेत्रों में कार्य तेजी से प्रगति पर है।

उन्होंने यह भी बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर कच्छ क्षेत्र में रेल संपर्क बढ़ाने के लिए सर्वेक्षण किए जा रहे हैं, जिनमें देशलपर से हाजीपीर तथा वायोर से लखपत खंड शामिल हैं। इन पहलों से क्षेत्रीय संपर्क में सुधार, रोजगार के अवसरों में वृद्धि तथा यात्रियों को सुरक्षित, तेज और अधिक आरामदायक यात्रा सुविधा मिलने की अपेक्षा है।

आरटीई के अंतर्गत 25 प्रतिशत प्रवेश के लिए सरकार प्रतिबद्ध- स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने विधान परिषद में आश्वासन दिया कि मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत निजी अनुदानरहित स्कूलों में वंचित और कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू की जा रही है और किसी भी छात्र को प्रवेश से वंचित नहीं किया जाएगा। मंत्री भुसे यह जानकारी सदस्य अमोल मिटकरी द्वारा उठाए गए मुद्दे के जवाब में दे रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री भुसे ने बताया कि राज्य में आरटीई के अंतर्गत पंजीकृत लगभग 8,699 स्कूलों में 1,14,792 सीटें उपलब्ध हैं और अब तक 2,21,553 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 मार्च तक बढ़ा दी गई है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक छात्र के लिए 17,670 रुपये की प्रतिपूर्ति दी जा रही है और वर्ष 2013-14 से अब तक स्कूलों को लगभग 2,930 करोड़ रुपये की राशि देय है। मंत्री भुसे ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सीमित वित्तीय व्यवस्था के कारण यह बकाया अभी बाकी है, लेकिन इसे जल्द से जल्द चुकाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके लिए वित्त और योजना विभाग के साथ बैठक की जाएगी और इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया जाएगा, ताकि इसका समाधान निकाला जा सके।

मंत्री भुसे ने यह भी चेतावनी दी कि आरटीई के अंतर्गत प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के साथ यदि किसी प्रकार का भेदभाव किया गया, तो संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस चर्चा में सदस्य अभिजीत वंजारी, पंकज भुजबळ, निरंजन दावखरे, ज्ञानेश्वर म्हात्रे, जगन्नाथ अभ्यंकर और किरण सरनाईक ने भी भाग लिया।

केईएम, नायर और कूपर अस्पतालों में जैव-चिकित्सा कचरे का उचित पृथक्करण- पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के केईएम, नायर और कूपर अस्पतालों में जैव-चिकित्सा कचरे के उचित पृथक्करण और प्रसंस्करण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने विधान परिषद में जानकारी दी कि इन अस्पतालों में कचरे का पृथक्करण प्रक्रिया सही तरीके से चल रही है।

इस संबंध में सदस्य मिलिंद नार्वेकर ने विधान परिषद में प्रश्न उठाया था।

मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि सरकार सरकारी अस्पतालों में पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुंबई के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में अपशिष्ट जल प्रबंधन और पर्यावरण संबंधी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नगरपालिका अस्पतालों में ईटीपी और एसटीपी संयंत्रों के निर्माण के संबंध में प्रशासन द्वारा सर्वेक्षण किया जा रहा है। मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि सर्वेक्षण रिपोर्ट आने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

सातारा जिले में अपराध दर में कमी, पुलिस प्रशासन सतर्क और सजग- गृह राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर

मुंबई। सातारा जिले में गंभीर अपराधों की दर में कमी आई है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में गंभीर अपराधों की संख्या कम हुई है। गृह राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने विधान परिषद में बताया कि अपराधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्कता और सतर्क निगरानी के साथ काम कर रहा है।

सदस्य शशिकांत शिंदे द्वारा सातारा जिले में बढ़ते अपराधों के संबंध में उठाए गए प्रश्न पर चर्चा के दौरान सदस्य सचिन अहिर ने पूरक प्रश्न पूछा।

गृह राज्य मंत्री डॉ. भोयर ने बताया कि वर्ष 2024 में सातारा शहर और जिले में 318 गंभीर अपराध दर्ज किए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में 194 गंभीर अपराध दर्ज हुए।

उन्होंने बताया कि 22 जनवरी 2026 को सातारा शहर में हुए हत्या के मामले में 15 आरोपियों में से 11 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि शेष चार आरोपियों की तलाश जारी है।

सातारा जिले में पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मिली शिकायतों की जांच पुलिस महानिदेशक द्वारा की गई थी। हालांकि, विधायकों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर इस मामले की जांच दोबारा शुरू की गई है। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ऐसा गृह राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने स्पष्ट किया।

कृषि और विपणन प्रणाली के विकास के लिए अत्याधुनिक तकनीक और वैश्विक सहयोग आवश्यक- विपणन मंत्री जयकुमार रावल

मनीला में एशियाई विकास बैंक के सेमिनार में मंत्री रावल ने 'विकसित महाराष्ट्र 2047' का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। कृषि और विपणन प्रणाली के तीव्र विकास के लिए आपसी सहयोग और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग आवश्यक है, ऐसा राज्य के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने फिलीपींस के मनीला में आयोजित एक सेमिनार में कहा।

महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक मुख्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और राज्य के कृषि तथा कृषि उपज बाजार समितियों के विकास के लिए तैयार की गई दृष्टि का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया। इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें तिमोर-लेस्ते के उपप्रधानमंत्री मारिनो असानामी सबिनो लोपास, जापान के कृषि, वानिकी और मत्स्य उपमंत्री योइची वतनाबे तथा महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन मंडल के महाप्रबंधक और मैग्नेट परियोजना के संचालक विनायक कोकरे शामिल थे।

इस संगोष्ठी में वैश्विक कृषि क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियाँ, टिकाऊ खाद्य प्रणाली और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर मंत्री रावल ने 'विकसित महाराष्ट्र दृष्टि 2047' के अंतर्गत राज्य में लागू की जा रही विभिन्न पहलों की जानकारी दी और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण, बाजार व्यवस्था में पारदर्शिता तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अपनाई जा रही नीतियों को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कृषि क्षेत्र में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं और उसी दिशा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र में कृषि और विपणन क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम में एशियाई विकास बैंक की भारत के लिए देश निदेशक मियो ओका, वरिष्ठ अधिकारी ताकेशी उएदा और कृष्ण रोटेला भी उपस्थित थे। सम्मेलन में हुई चर्चाओं से महाराष्ट्र के कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का सकारात्मक वातावरण बना।

इस दौरे के दौरान महाराष्ट्र कृषि व्यवसाय नेटवर्क परियोजना (मैग्नेट) के लिए वैश्विक स्तर की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया जाएगा। साथ ही भविष्य में सहयोग के नए अवसरों की तलाश करते हुए महाराष्ट्र की कृषि और विपणन प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करने पर भी ध्यान दिया जाएगा।

मनरेगा के अंतर्गत कुशल और अकुशल कार्यों के भुगतान वितरण के लिए 'स्पर्श' प्रणाली लागू

लंबित राशि जल्द वितरित की जाएगी - मंत्री शंभूराज देसाई

मुंबई। मनरेगा के अंतर्गत कुशल और अकुशल कार्यों के भुगतान की प्रक्रिया को तेज करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'स्पर्श' नामक नई संगणकीय प्रणाली लागू की गई है। इसके माध्यम से जल्द ही सभी लंबित राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जमा की जाएगी, ऐसी जानकारी मंत्री शंभूराज देसाई ने विधान सभा में दी।

प्रश्नकाल के दौरान विधायक नारायण कुचे ने गढ़चिरौली जिले में मनरेगा से संबंधित प्रश्न उठाया था।

मंत्री शंभूराज देसाई ने बताया कि मनरेगा के लाभार्थियों को वितरित किए जाने के लिए लगभग 2,800 करोड़ रुपये की राशि लंबित थी। इस राशि के वितरण के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय आवश्यक है और नई 'स्पर्श' प्रणाली के माध्यम से इस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया गया है।

केंद्रीय हिस्से की राशि प्राप्त होने के बाद राज्य का हिस्सा एफटीओ साइबर ट्रेजरी में जमा किया जाता है और इसके बाद दोनों हिस्सों को मिलाकर संबंधित लाभार्थियों के खातों में सीधे जमा किया जाता है।

उन्होंने बताया कि यह प्रणाली केवल चार महीने पहले ही लागू की गई है, इसलिए शुरुआत में कुछ तकनीकी कठिनाइयाँ आई थीं। हालांकि, अगले एक महीने में सभी प्रक्रियाएँ सुचारु हो जाएंगी और निधि वितरण की गति तेज होगी, ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

इस विषय पर चर्चा में विधानसभा सदस्य डॉ. नितिन राउत, नाना पटोले, प्रकाश सोलंके और भास्कर जाधव ने भी भाग लिया।

जनजातीय आश्रम स्कूलों का कार्य तेज गति से पूरा किया जाएगा- जनजातीय विकास मंत्री डॉ. अशोक उईके

मुंबई। राज्य के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में स्थित सरकारी आश्रम स्कूलों के निर्माण और सुविधाओं को लेकर सरकार गंभीर है। जनजातीय आश्रम स्कूलों का कार्य तेज गति से पूरा किया जाएगा और जहां काम अधूरा है, वहां संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ऐसा जनजातीय विकास मंत्री डॉ. अशोक उईके ने विधान सभा में कहा।

इस संबंध में विधानसभा सदस्य नानाभाऊ पटोले ने प्रश्न उठाया था।

मंत्री डॉ. अशोक उईके ने बताया कि पालघर जिले के वाडा तालुका के गुहीर में सरकारी आश्रम स्कूल का निर्माण पहले सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से शुरू किया गया था। इस कार्य में देरी हुई थी, जिसके कारण संबंधित ठेकेदार पर विलंब के लिए दंड लगाया गया है।

हालांकि, दूरस्थ क्षेत्रों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2016 से इन कार्यों को जनजातीय विभाग के माध्यम से तेज गति से पूरा करने का निर्णय लिया गया।

मंत्री उईके ने बताया कि वर्तमान में राज्य में लगभग 500 सरकारी आश्रम स्कूल हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास जारी हैं। कुछ स्थानों पर ठेकेदारों द्वारा काम में देरी के कारण कठिनाइयाँ आई हैं। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्हें काली सूची में डालने की सिफारिश की जाएगी।

मंत्री उईके ने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष आश्रम स्कूलों में विद्यार्थियों के आवास और बुनियादी सुविधाओं के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराई गई है। अगले दो वर्षों में सभी सरकारी छात्रावासों में लड़कों और लड़कियों के लिए 100 प्रतिशत आवास व्यवस्था पूरी कर दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उत्तम और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए 'गिरिप्रेमी' युवाओं को राज्यपाल की शुभकामनाएँ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई : महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने आज महाराष्ट्र लोक भवन में 2 अप्रैल से शुरू होने वाले माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए रवाना हो रहे पर्वतारोहियों के दल को हरी झंडी दिखाकर शुभकामनाएँ दीं।

यह अभियान अर्जुन पुरस्कार और शिव छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार से सम्मानित पर्वतारोही उमेश झिरपे के नेतृत्व में किया जा रहा है।

'गिरिप्रेमी' संस्था द्वारा माउंट एवरेस्ट अभियान 2026 नामक पचास दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जिस तरह 'गिरिप्रेमी' नाम सुंदर है, उसी तरह पर्यावरण जागरूकता और हिमनदों के संरक्षण के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयास भी सराहनीय हैं।

उन्होंने कहा कि हिमालय केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यह हमारी विरासत का जीवंत प्रतीक है और इसका संरक्षण व संवर्धन करना आवश्यक है।

राज्यपाल ने आगे कहा कि भले ही हम स्वयं माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई न कर सकें, लेकिन पर्वतारोहियों के अनुभवों के माध्यम से उसे समझ सकते हैं। उन्होंने पर्वतारोहियों के दल को शिखर पर सफलतापूर्वक पहुँचने के बाद पुनः मिलने के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर गिरिप्रेमी के अध्यक्ष जयंत तुलपुले, भूषण हर्षे, प्रसाद जोशी, चंदन चव्हाण, अजीत टाटे तथा पर्वतारोहण क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस वर्ष के माउंट एवरेस्ट अभियान में गिरिप्रेमी के संस्थापक उमेश झिरपे के साथ विवेक शिवडे, निकुंज शाह, मिहिर जाधव और अखिल करकर जैसे पर्वतारोही भाग ले रहे हैं।

सम्पादकीय

प्राचीन धारणाओं से क्वांटम रहस्यों तक, सत्य की खोज में विज्ञान का रोमांचक सफर

मनुष्य की जिज्ञासा जितनी पुरानी है, उतनी ही पुरानी है सत्य की खोज। आकाश में चमकते तारों, नदियों के प्रवाह और प्रकृति की अनगिनत घटनाओं को देखकर मनुष्य के मन में सदैव यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या इस संसार का कोई 'अंतिम सत्य' भी है। विज्ञान इसी जिज्ञासा की संगठित और तर्कसंगत अभिव्यक्ति है। विज्ञान का इतिहास बताता है कि यह अंतिम सत्य की घोषणा करने के बजाय सत्य की निरंतर खोज की प्रक्रिया है।

विज्ञान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह किसी भी ज्ञान को अंतिम नहीं मानता। हर सिद्धांत, नियम और निष्कर्ष को प्रमाण और प्रयोग की कसौटी पर परखा जाता है। इसलिए आज स्थापित धारणाएं भविष्य में नए प्रमाणों के सामने संशोधित या परिवर्तित हो सकती हैं। इतिहास के उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि विज्ञान में सत्य स्थिर नहीं बल्कि विकसित होने वाली अवधारणा है।

प्राचीन काल में यह माना जाता था कि पृथ्वी ब्रह्मांड का केंद्र है और सूर्य तथा अन्य ग्रह उसके चारों ओर घूमते हैं। बाद में खगोलीय अध्ययन और गणनाओं के आधार पर यह सिद्ध हुआ कि सूर्य केंद्र में है और पृथ्वी सहित अन्य ग्रह उसके चारों ओर परिक्रमा करते हैं। यह परिवर्तन मानव ज्ञान की दिशा ही बदलने वाला था।

गति और बल के संबंध में 'न्यूटन के गति के नियम' लंबे समय तक अंतिम नियम माने जाते रहे। मगर बीसवीं शताब्दी में अल्बर्ट आइंस्टीन ने 'सापेक्षता का सिद्धांत' प्रस्तुत किया, जिससे यह पता चला कि अत्यधिक वेग या गुरुत्वाकर्षण में न्यूटन के नियम पूरी तरह पर्याप्त नहीं हैं। इसका मतलब यह नहीं कि न्यूटन गलत थे, बल्कि यह कि उनके नियम एक विशेष सीमा तक ही लागू होते हैं।

जब वैज्ञानिकों ने परमाणु और उससे छोटे कणों की दुनिया को समझने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि सूक्ष्म स्तर पर प्रकृति का व्यवहार सामान्य अनुभव से भिन्न है। इसे समझाने के लिए 'क्वांटम मैकेनिक्स' का विकास हुआ। इस सिद्धांत ने दिखाया कि सूक्ष्म जगत में कणों का व्यवहार संभावनाओं पर आधारित होता है और कभी-कभी एक ही कण तरंग और कण दोनों की तरह व्यवहार कर सकता है।

रसायन विज्ञान में भी शुरुआत में चार तत्त्व–पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि–मूल आधार माने जाते थे। बाद में प्रयोग और विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि पदार्थ असंख्य तत्त्वों और परमाणुओं से बना है। आज आधुनिक रसायन विज्ञान में 'आवर्त सारणी' पदार्थ की संरचना को समझने का वैज्ञानिक आधार देती है।

जीव विज्ञान में भी यही क्रम दिखाई देता है। पहले माना जाता था कि जीवों की प्रजातियां स्थायी और अपरिवर्तनीय हैं। मगर उन्नीसवीं शताब्दी में चार्ल्स डार्विन ने 'थ्योरी ऑफ इवोल्यूशन' प्रस्तुत की, जिसके अनुसार जीवित प्रजातियां समय के साथ परिवर्तित होती रहती हैं। इस सिद्धांत ने जीवविज्ञान की समझ को मूल रूप से बदल दिया और जीवन की विविधता को समझने का आधार दिया।

विज्ञान में सत्य कोई स्थिर और अंतिम स्थिति नहीं है। यह निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है, जिसमें नए प्रयोग, तकनीक और खोजें पुराने विचारों को चुनौती देती रहती हैं। विज्ञान की यही विशेषता उसे अन्य ज्ञान प्रणालियों से अलग बनाती है। कई विचारधाराएं अपने सिद्धांतों को अंतिम मानती हैं, जबकि विज्ञान अपनी सीमाओं को स्वीकार करता है।

विज्ञान का वास्तविक लक्ष्य अंतिम सत्य घोषित करना नहीं, बल्कि प्रकृति के नियमों को अधिक स्पष्टता और सटीकता के साथ समझना है। प्रत्येक नई खोज इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाती है। आधुनिक खगोल विज्ञान आज भी सौरमंडल की उत्पत्ति, 'डार्क मैटर' और 'डार्क एनर्जी' जैसे रहस्यों को समझने का प्रयास कर रहा है।

इस प्रकार, विज्ञान को एक अनंत यात्रा के रूप में देखा जा सकता है। यह यात्रा प्रश्नों से शुरू होती है, प्रयोगों से आगे बढ़ती है और नए निष्कर्षों तक पहुंचती है। हर निष्कर्ष नए प्रश्नों को जन्म देता है। विज्ञान में 'अंतिम सत्य' की अवधारणा उतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितनी सत्य की खोज की प्रक्रिया।

विज्ञान हमें यह सिखाता है कि ज्ञान का मार्ग खुला होना चाहिए, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और नए प्रमाणों के सामने पुराने विचार बदलने का साहस होना चाहिए। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण है जिसने मानव सभ्यता को अज्ञानता से ज्ञान की ओर निरंतर बढ़ाया है। विज्ञान में अंतिम सत्य कोई स्थिर बिंदु नहीं, बल्कि सत्य की अनवरत खोज ही उसका वास्तविक स्वरूप है। यही खोज मानव बुद्धि को आगे बढ़ाती है और प्रकृति के रहस्यों के द्वार धीरे-धीरे खोलती है।

दिल्ली से मुंबई तक तपता भारत क्या यह कुदरत की आखिरी चेतावनी है?

देश में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम संबंधी घटना नहीं रह गई है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा बनती जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 में गर्म मौसम की चेतावनी दी है। उसने कहा है कि मार्च से मई के बीच देश के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहेगा।

अधिक तापमान वाले दिनों की संख्या बढ़ सकती है। यह चेतावनी इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत पहले से ही दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां अत्यधिक तापमान और गर्मी का प्रभाव बड़ी आबादी पर पड़ता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि गर्मी का मौसम पहले शुरू हो रहा है और यह लंबे समय तक बना रहता है।

उदाहरण के लिए मार्च 2026 के पहले सप्ताह में ही दिल्ली में तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग सात डिग्री अधिक था। पिछले पंद्रह वर्षों में मार्च के शुरुआती सप्ताह में इतना अधिक तापमान पहली बार महसूस किया गया। यह केवल एक शहर तक सीमित नहीं था, बल्कि देश के कई हिस्सों में इसी तरह की स्थिति देखी गई।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह मौसमी उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं, बल्कि जलवायु संकट का संकेत है। पिछले कई दशक के आंकड़े बताते हैं कि भारत का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि लगभग 0.15 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक की दर से दर्ज की गई है। जब तापमान में ऐसी निरंतर वृद्धि होती है, तो इसका सीधा प्रभाव तापमान की आवृत्ति और तीव्रता पर पड़ता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने

वाले वर्षों में भारत में गर्मी और लू की लहरें अधिक लंबी और खतरनाक हो सकती हैं। भारतीय मौसम विभाग की चेतावनी केवल मौसम का अनुमान नहीं है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक चेतावनी है कि जलवायु संकट की चुनौती अब स्पष्ट रूप से हमारे सामने है। पिछले कुछ वर्षों में तापमान की आवृत्ति और तीव्रता दोनों ही बढ़ी हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में अक्सर तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है।

इस साल मार्च के दौरान मुंबई में तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग छह डिग्री अधिक था और इस कारण मौसम विभाग को चेतावनी जारी करनी पड़ी। इसी प्रकार पुणे में भी तापमान 38.5 डिग्री तक पहुंच गया और कई जिलों में तापमान चालीस डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। यह स्पष्ट संकेत है कि गर्मी की शुरुआत पहले हो रही है और इसका विस्तार अधिक व्यापक हो रहा है।

यह केवल तापमान की वृद्धि नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, कृषि, जल संसाधन और ऊर्जा प्रणाली पर व्यापक प्रभाव डालती है। अत्यधिक गर्मी के कारण खेतों में नमी कम हो जाती है, फसलें प्रभावित होती हैं। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसके अलावा बिजली की मांग बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से लगातार बढ़ रहा है।

इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, औद्योगिक प्रदूषण और वनों की कटाई है। जब वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ती है, तो पृथ्वी की सतह पर अधिक गर्मी बनी रहती है, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है। भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में इसका प्रभाव और अधिक तीव्र रूप में दिखाई देता है।

शोध बताते हैं कि जलवायु संकट के कारण अत्यधिक तापमान वाली घटनाओं की संख्या और अवधि दोनों बढ़ रही हैं। इससे मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि जब तापमान बहुत अधिक हो जाता है, तो शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है, जिससे निर्जलीकरण, लू लगने और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं।

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण भी अत्यधिक तापमान की समस्या को गंभीर बना रहा है। शहरों में विकास कार्यों के दौरान बड़ी मात्रा में कंक्रीट, डामर और धातु जैसी सामग्री का उपयोग होता है जो सूर्य की गर्मी को अधिक अवशोषित करती हैं और लंबे समय तक उसे रोक कर रखती हैं। इस कारण शहरों में तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। जब शहरों में पेड़ों और हरित क्षेत्रों की संख्या कम होती है, तो यह प्रभाव और भी बढ़ जाता है।

कई बड़े शहरों में ऊंची इमारतों के कारण हवा का प्रवाह कम हो जाता है, जिससे गर्मी अधिक महसूस होती है। जब शहरों में हरित क्षेत्र कम होते हैं, तो प्राकृतिक शीतलन प्रक्रिया कमजोर हो जाती है और वातावरण में बनी गर्मी रात में भी पूरी तरह कम नहीं हो पाती। इसलिए शहरी नियोजन में हरित क्षेत्रों का संरक्षण और विस्तार अत्यंत आवश्यक है।

अत्यधिक तापमान का सबसे गंभीर प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है। शरीर में पानी की कमी हो जाती है। रक्तचाप तथा हृदय गति पर भी प्रभाव पड़ता है। लू लगने जैसी स्थिति बढ़ जाती है जो कई बार जानलेवा साबित होती है। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और पहले से बीमार लोग विशेष रूप से अधिक जोखिम में होते हैं। भारत में बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं, जैसे किसान, निर्माण श्रमिक और फुटकर विक्रेता।

उन्हें अत्यधिक गर्मी का सीधा सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो अत्यधिक तापमान और लू सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकते हैं। इसलिए सरकार और समाज दोनों को मिल कर इसके प्रभाव को कम करने के उपाय अपनाने होंगे। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी।

गर्मी का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह कृषि और खाद्य सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। जब तापमान बहुत अधिक हो जाता है और वर्षा नहीं होती, तो मिट्टी की नमी कम हो जाती है और फसलें प्रभावित होती हैं। गेहूं, चावल और दालों जैसी प्रमुख फसलें तापमान के प्रति संवेदनशील होती हैं। यदि फसलों के विकास के समय तापमान अत्यधिक बढ़ जाए, तो पैदावार कम हो सकती है।

भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, वहां यह समस्या और गंभीर हो सकती है। इसके अलावा पशुधन पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, जल संसाधनों पर भी इसका दबाव बढ़ता है, क्योंकि गर्मी के कारण पानी की मांग बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में भू-जल स्तर पहले से ही गिर रहा है। इसलिए सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और समाज मिल कर जलवायु अनुकूल विकास की दिशा में काम करें। हरित ऊर्जा का उपयोग, वनों का संरक्षण, जल संसाधनों का सतत प्रबंधन और शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों को बढ़ावा इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

लोगों को भी अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। साथ ही उन्हें ऊर्जा की भी बचत करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहना होगा। यदि हम सामूहिक प्रयास करें, तो बढ़ती गर्मी की चुनौती का सामना किया जा सकता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

तनाव से मुक्ति का मंत्र

भविष्य के भरोसे बैठने के बजाय 'आज' में जीने की कला

हम अक्सर अपने कामों को टालने के आदी होते हैं। अनिवार्य और मजबूरी वाले दैनिक कार्य हमें करने ही पड़ते हैं, लेकिन इसके अलावा अपने शौक, अपने स्वप्नों को लोग अक्सर स्थगित रखते हैं। स्थगन की यह प्रक्रिया इस तरह हो गई है कि स्वाभाविक लगने लग गई है। कार्यों को अक्सर हम समय न होने का सोचकर एक तरफ रखते हैं और कभी-कभी वास्तव में उतना समय हमारे पास होता भी नहीं।

यह हमेशा ईमानदार उत्तर नहीं होता। अधिकतर कार्य समय नहीं होने के बजाय हमारे एक निश्चित और स्थिर जीवन शैली के अभ्यस्त होने की वजह से टाले जाते हैं। कामों को टालने से हम उनसे मुक्त नहीं हो पाते। वे हमारे मन-मस्तिष्क पर बोझ बनकर स्थायी तनाव का रूप लेने लगते हैं। इससे हमारी आदत खराब होती है। वहीं चिंता और बोरियत में भी इजाफा होता है।

सोचा हुआ न करने से धीरे-धीरे एक अपराधबोध हममें जमने लगता है और आत्मविश्वास कम होने लगता है। इससे बहुत कम समय और मेहनत मांगने वाले कार्य भी समय निकलने के साथ असंभव लगने लगते हैं। किसी को कुछ लिखना है, कहीं जाना है, किसी से मिलना है, लंबे समय बाद फोन करना है, खाने में कुछ नया बनाना है, नई किताब पढ़नी है, व्यायाम करना शुरू करना है- जैसे बहुत सारे काम हमेशा स्थगित रहते हैं।

जैसे बच्चे सोचते हैं कि वार्षिक परीक्षा के बाद मैं यह सब करूंगा, लेकिन वैसा हो पाता नहीं। ठीक वैसे ही हम इन कामों के लिए छोटे-छोटे पड़ाव चुन लेते हैं। सोचते हैं बस इसके बाद, इसके बाद मैं अपने अनुसार जीऊंगी। अधिकतर लोग नौकरी को लेकर सोचते हैं कि एक बार नौकरी मिल जाए, उसके बाद सब ठीक हो जाएगा। मैं अपने सभी अधूरे काम निपटा सकूंगा।

मगर एक परिस्थिति दूर से जैसी समस्याहीन दिखती है, वैसी होती नहीं। यह उस परिस्थिति में जाकर ही जाना जाता है। हम वर्तमान को हमेशा कठिन समय मानते हुए सोचते हैं कि भविष्य इससे आसान होगा और उस भविष्य के वर्तमान बनने पर सोचते हैं कि इससे तो पहले ही ठीक था।

चीजों को टालने से वे हमारे भीतर अधूरी आकांक्षाओं और असंतुष्टि के रूप में जमा होती जाती हैं, जिससे न सिर्फ हमारी कार्यक्षमता, बल्कि मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है, क्योंकि हमें लगता है कि दूसरे तो अपने लिए कुछ भी स्थगित नहीं

रखते। वे तो जीवन का आनंद लेते हैं और हम हमेशा अधबीच में रहते हैं। हरेक दूसरे के बारे में ऐसा ही सोचता है, यही मानवीय स्वभाव है। स्थगित किए कामों की सूची बनाने के बजाय हम एक-एक करके उन्हें करना शुरू करें, तो वे धीरे-धीरे हमारे दैनिक-क्रियाकलाप का हिस्सा हो जाते हैं। अक्सर चीजों को सोचने में जैसा भार लगता है, काम शुरू करने पर उससे कम मेहनत लगती है। इससे व्यक्ति खुद को बहलाने और बहाना मारने की आदत से भी बाहर आ सकता है।

इन कार्यों को एक साथ करने के बजाय प्राथमिकता के हिसाब से क्रमशः किया जा सकता है। कहते हैं, यात्राएं कितनी भी लंबी क्यों न हों, वे एक कदम से ही शुरू होती हैं। शुरुआत कितनी ही छोटी क्यों न हो, मनुष्य को बड़ा आत्मविश्वास देती है। जब व्यक्ति अरसे से रुके हुए कामों को करता है, तो केवल काम ही नहीं करता, बल्कि यह विश्वास भी हासिल करता है कि एक ढर्रा पकड़ चुकी जिंदगी को थोड़ी-सी हलचल देकर खुद को जीवंत कर सकता है।

उससे वह एक ऐसे माहौल से निकलने में सक्षम होता है, जिसने उसकी चेतना को जड़ करने में अहम भूमिका निभाई है। जब व्यक्ति बहुत दिनों तक कुछ भी नया नहीं करता, किसी नए काम या दिलचस्पी के कार्य को करने की कोशिश नहीं करता, तब उसकी इंद्रियां धीरे-धीरे शिथिल होने लगती हैं, उसका मन सुस्त होने लगता है और मस्तिष्क में नए विचार आने बंद हो जाते हैं। रचनात्मकता तभी जिंदा रहती है, जब उन कार्यों के लिए व्यक्ति खुद के भीतर जगह बचाए रखे, जिनमें उसकी दिलचस्पी है।

इसी से मनुष्य ऊर्जावान, सुखी और सकारात्मक महसूस करता है और सीखने का ऐसा चक्र बनता है, जिसमें क्रमशः सब चीजों में सुधार होता है। सवाल यह भी है कि ऐसे समय में जब बड़ी-बड़ी उपलब्धियां व्यक्ति के जीवन को खुशी नहीं देती, उसे आनंद नहीं देती, तो इन छोटे कामों का कोई मतलब भी बनता है! यही समझने की बात है, बड़ी-बड़ी उपलब्धियों के लिए बहुत मेहनत मनुष्य पर भारी दबाव पैदा करती है।

मानव की प्रकृति है कि उसे अक्सर बेमतलब लगने वाली चीजें ही खुशी देती हैं। ऐसी चीजें, जिनके बारे में उसे बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं होती। इनसे मनुष्य के भीतर एक झनझनाहट पैदा होती है, जो उसे जिंदा रखती है। स्थगित करने की आदत से बाहर आकर हमें सोचे हुए को करने की थोड़ी आदत डालनी चाहिए। इससे भले ही ये काम पूरे हों या न हों, उनमें सफल हो पाए या नहीं, लेकिन हम उनसे बाहर जरूर आ जाते हैं। हमारे मन-मस्तिष्क से वे निकल जाते हैं।

महाशक्तियों की जंग के बीच भारत की कूटनीति का दमदार प्रदर्शन, बन रहा है नया वैश्विक शक्ति संतुलन

21वीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा शक्ति संघर्ष अमेरिका और चीन के बीच तेजी से आकार ले रहा है। यह केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि सैन्य ताकत, तकनीकी वर्चस्व और भू रणनीतिक प्रभुत्व की निर्णायक होड़ है। वहीं इस महाशक्ति संघर्ष के बीच भारत एक बेहद संतुलित लेकिन आक्रामक कूटनीति गढ़ रहा है। भारत की रणनीति स्पष्ट है कि किसी गुट का पिछलग्गू बने बिना अपनी सामरिक ताकत को इतना मजबूत करना है कि बदलते वैश्विक समीकरणों में वह निर्णायक शक्ति बन सके।

देखा जाये तो आज अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। उसका रक्षा बजट लगभग 1000 अरब डॉलर के आसपास है। चीन लगभग 314 अरब डॉलर के सैन्य बजट के साथ दूसरे स्थान पर है और वह पिछले दो दशकों से अपनी सैन्य शक्ति को बेहद तेजी से विस्तार दे रहा है। भारत लगभग 80 से 85 अरब डॉलर के रक्षा बजट के साथ दुनिया के शीर्ष सैन्य खर्च करने वाले देशों में शामिल है। हालांकि बजट के लिहाज से भारत अभी दोनों महाशक्तियों से पीछे है, लेकिन उसकी रणनीतिक स्थिति और भौगोलिक ताकत उसे वैश्विक शक्ति संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। हम आपको बता दें कि भारत की विदेश नीति का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है रणनीतिक स्वायत्तता। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी शक्ति खेमे में पूरी तरह शामिल हुए बिना अपने हितों के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि एक ओर भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वॉड मंच में सक्रिय भूमिका निभाता है, वहीं दूसरी ओर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर चीन और रूस के साथ भी सहयोग बनाए रखता है। यह संतुलन आधारित नीति भारत को दोनों पक्षों के साथ काम करने की स्वतंत्रता देती है और उसे एक निर्णायक मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

इसके अलावा, हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है और चीन की समुद्री महत्वाकांक्षाओं के कारण यहां शक्ति संतुलन का सवाल बेहद संवेदनशील बन चुका है। चीन ने पिछले एक दशक में दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ाई है। इसके जवाब में भारत ने समुद्री रणनीति को अपनी सुरक्षा नीति का केंद्रीय स्तंभ बना दिया है। हम आपको बता दें कि भारतीय नौसेना का तेजी से होता आधुनिकीकरण इसी रणनीति का हिस्सा है। भारत अगले दस वर्षों में युद्धपोतों, पनडुब्बियों और समुद्री निगरानी तंत्र के विस्तार पर लगभग 40 अरब डॉलर खर्च करने की योजना पर काम कर रहा है। स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के शामिल होने से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जिनके पास विमान वाहक पोत बनाने की क्षमता है। इसके साथ ही अंडमान निकोबार द्वीप समूह में सैन्य ढांचे का विस्तार हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत कर रहा है।

यह भी दिलचस्प तथ्य है कि किसी संभावित संघर्ष की स्थिति में चीन अपनी कुल सैन्य शक्ति का सीमित हिस्सा ही हिंद महासागर में तैनात कर सकता है, क्योंकि उसका मुख्य सैन्य ढांचा प्रशांत क्षेत्र में केंद्रित है। इसके विपरीत भारत को भौगोलिक लाभ प्राप्त है और हिंद महासागर उसके लिए प्राकृतिक रणनीतिक क्षेत्र है। यही कारण है कि समुद्री शक्ति को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

भारत की सामरिक तैयारी केवल समुद्र तक सीमित नहीं है। हिमालयी सीमाओं पर भी बड़े पैमाने पर सैन्य ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। लद्दाख संकट के बाद भारत ने सीमा सड़कों, सुरंगों, हवाई पट्टियों और उन्नत मिसाइल प्रणालियों का तेजी से निर्माण किया है। इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य संतुलन काफी हद तक भारत के पक्ष में मजबूत हुआ है।

इसके अलावा, तकनीकी क्षेत्र में भी भारत तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। भारतीय सशस्त्र बलों में लगभग पंद्रह लाख सक्रिय सैनिक हैं, जबकि रिजर्व और अर्धसैनिक बलों को मिलाकर कुल सैन्य शक्ति पचास लाख से अधिक है। इसके साथ ही भारत ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष आधारित सैन्य तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है।

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता भी भारत की रणनीतिक नीति का अहम हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात को तेजी से बढ़ाया है और स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहन दिया है। इसका उद्देश्य केवल आयात पर निर्भरता कम करना नहीं बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उद्योग का महत्वपूर्ण केंद्र बनाना है।

इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टकराव में भारत की कूटनीति के प्रभाव केवल एशिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक वैश्विक निहितार्थ भी सामने आ रहे हैं। भारत आज उस स्थिति में पहुंच चुका है जहां उसकी नीति विश्व शक्ति संतुलन को प्रभावित करने लगी है। यदि भारत अमेरिका के साथ गहरे सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाता है तो हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तार को रोकने वाला एक मजबूत संतुलन बन सकता है। दूसरी ओर यदि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुध्रुवीय व्यवस्था को मजबूत करता है तो विश्व राजनीति में शक्ति का केंद्रीकरण कम होगा और कई क्षेत्रीय शक्तियों को उभरने का अवसर मिलेगा। ऊर्जा आपूर्ति मार्गों, वैश्विक व्यापार, तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत की भूमिका लगातार निर्णायक बन रही है। यही कारण है कि आज यूरोप, पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देश भारत को उस शक्ति के रूप में देख रहे हैं जो अमेरिका चीन प्रतिस्पर्धा के बीच वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत की कूटनीति संतुलन की नीति है। भारत सीधे किसी शक्ति के खिलाफ खड़ा होने की बजाय अपनी सैन्य क्षमता, आर्थिक ताकत और तकनीकी शक्ति को मजबूत करते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि यही रणनीति आगे भी जारी रही तो आने वाले दशकों में अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच भारत केवल एक संतुलनकारी शक्ति नहीं रहेगा बल्कि वह वैश्विक राजनीति का वह निर्णायक केंद्र बन सकता है जो एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के शक्ति समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

यूपी बोर्ड के कापियों का मूल्यांकन पहले दिन 80 फीसदी परीक्षकों ने किया शुरू

पायलट प्रोजेक्ट से पांच जिलों में हो रहा मूल्यांकन : सचिव भगवती सिंह

प्रयागराज जेडी, डीआईओएस ने किया मूल्यांकन केन्द्रों का औचक निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की 2026 की बोर्ड परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आज से शुरू हो गया है। प्रदेश भर में निर्धारित किए गए 250 मूल्यांकन केंद्रों पर मूल्यांकन किया जा रहा है। यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में शामिल लगभग 50 लाख, छात्र छात्राओं की करीब पौने तीन करोड़ कापियों का मूल्यांकन परीक्षको ने शुरू कर दिया है। कापियों का मूल्यांकन एक अप्रैल को पूरा होगा। प्रयागराज के जेडी आरएन विश्वकर्मा और डीआईओएस पीएन सिंह ने आज मूल्यांकन केन्द्रों का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिया है।

प्रयागराज के जेडी आरएन विश्वकर्मा ने बताया कि प्रयागराज मंडल में कुल 21 मूल्यांकन केंद्रों पर हाईस्कूल और इंटर की कापियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। जेडी आर एन विश्वकर्मा ने बताया कि प्रयागराज जिले में सबसे अधिक 10 और फतेहपुर और प्रतापगढ़ जिले में पांच-पांच और कौशांबी में एक मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि आज पहले दिन मूल्यांकन केंद्रों पर परीक्षकों की 80 फीसदी उपस्थिति दर्ज की गई है। उन्होंने कहा है कि केंद्रों पर परीक्षकों को जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रयागराज के डीआईओएस प्रयागराज पीएन सिंह ने बताया कि जिले में 10 मूल्यांकन केंद्रों पर आज से मूल्यांकन शुरू हो गया है। प्रयागराज जिले में हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की कुल 1224 788 कापियों का मूल्यांकन 6 हजार से अधिक परीक्षक करेंगे। मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में मूल्यांकन कराया जा रहा है। परीक्षकों के लिए भी मोबाइल पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। मूल्यांकन केंद्रों पर सुरक्षा की दृष्टि से 24 घंटे सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है। केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य में नियुक्त अध्यापकों और कार्मिकों के अतिरिक्त किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। जिले स्तर पर मूल्यांकन कार्यों में प्रभावी निगरानी के लिए सभी जिलों में पर्यवेक्षक नियुक्त कर किए गए हैं। प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर डीएम की ओर से स्टैटिक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है।

यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि कापियों का मूल्यांकन सभी केन्द्रो पर शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों प्रयागराज, मेरठ, बरेली, वाराणसी और गोरखपुर में पारंपरिक व्यवस्था के साथ-साथ यूपी बोर्ड के पोर्टल पर ऑनलाइन अंक अपलोड किए जाने की व्यवस्था लागू की गई है। उन्होने कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन की निष्पक्ष और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेय भाजपा नेताओं के साथ स्वर्गीय हरि मंगल सुनील मिश्रा के घर पहुंचकर जताई शोक संवेदना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मांडा विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बामपुर प्रथम में कार्यरत सहायक अध्यापिका वंदना मिश्रा के पति हरि मंगल सुनील मिश्रा (49) के निधन की सूचना पाकर पूर्व विधायक प्रभात शंकर पांडेय भाजपायों के साथ मंगलवार को उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किया मंगलवार शाम उनके पैतृक गांव पियरी उर्फ बिजलीपुर(लालगोपालगंज) स्थित आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। इसी क्रम में पूर्व विधायक नवाबगंज प्रभाशंकर पाण्डेय ने विशेष रूप से मृतक के परिजनों से मिलने उनके आवास पहुंचे और गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि हरि मंगल मिश्रा एक सरल, विनम्र और समाजसेवी व्यक्ति थे, जिनका असमय निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना कीबताया जाता है की अधिवक्ता भारत लाल मिश्र के बड़े पुत्र हरि मंगल मिश्रा अपने मिलनसार और सहयोगी स्वभाव के कारण समाज में विशेष पहचान रखते थे। जरूरतमंदों की सहायता

करना और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। उनके निधन से गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में गहरा शोक व्याप्त है। परिवार में उनके छोटे भाई विनय मिश्रा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में कार्यरत हैं, जबकि सत्येंद्र मिश्रा भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं। सबसे छोटे भाई शिवम मिश्रा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। अपने पीछे वे पत्नी वंदना मिश्रा, पुत्री सौम्या (15) और पुत्र ऐश्वर्य (13) को छोड़ गए हैं।वहीं वंदना मिश्रा का शैक्षिक जीवन भी संघर्ष और परिश्रम का उदाहरण रहा है। वर्ष 2011 में उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कमला नगर बहरिया में सामाजिक विज्ञान संविदा शिक्षिका के रूप में कार्य शुरू किया। वर्षों की मेहनत और पति हरि मंगल मिश्रा के सहयोग से वर्ष 2021 में उन्हें बेसिक शिक्षा विभाग में जनपद बरेली के विकासखंड फरीदपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय ब्राहिमपुर में सहायक अध्यापिका के रूप में नियुक्ति मिली। बाद में वर्ष 2023 में अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के तहत वे प्रयागराज जिले के मांडा के प्राथमिक विद्यालय बामपुर प्रथम में कार्यरत हैं।शोकसभा के दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने कहा कि हरि मंगल मिश्रा का व्यवहार अत्यंत सौम्य और सहृदय था तथा वे सदैव लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनते थे। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिवक्ता एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों को सांत्वना दी। इस मौके पर भारत लाल मिश्रा एडवोकेट डॉ रामराज मिश्रा रामकृष्ण मिश्रा भीमसेन मिश्रा गोपाल कृष्ण मिश्रा सुरेंद्र मिश्रा कैलाश प्रकाश द्विवेदी अखिलेश द्विवेदी विकास द्विवेदी अभिषेक द्विवेदी श्याम कृष्णा पिंटू शुक्ला भूपेंद्र कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

47 अभ्यर्थियों की हुई काउंसिलिंग, पदस्थापन 23 को

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय की 29334 सहायक अध्यापक भर्ती में चयनित 52 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय मम्फोर्डगंज में आज सुबह से शुरू हुई जिसमें 47 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि पांच अभ्यर्थी काउंसलिंग मे शामिल नही हुए। बीएसए अनिल कुमार ने बीईओ होलागढ लालजी शर्मा, बीईओ बहरिया शिव औतार, सैदाबाद बीईओ अखिलेश कुमार, बीईओ कौडिहार क्षमाशंकर और नगर क्षेत्र प्रतिभा सिंह ने अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की और उनके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को जमा कराया। अभ्यर्थियों ने अपने साथ लाये सभी मूल शैक्षिक, प्रशिक्षण अभिलेखों, मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र व मूल पहचान पत्र (आधार कार्ड व पैन कार्ड) कार्यालय में जमा किया। अभ्यर्थी 29334 गणित और विज्ञान भर्ती के आनलाइन आवेदन की प्रति, रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने की रसीद व पूरित आवेदनपत्र की प्रति जमा किया। निर्धारित शपथपत्र एवं आफलाइन आवेदनपत्र भरकर जनपदीय चयन समिति के समक्ष उपस्थित हुए। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि जो अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल हुए है उनके प्रमाणपत्रों की जांच के बाद संभवतः सोमवार को पदस्थापन किया जाएगा।

ट्रक की चपेट में आने से वृद्ध गंभीर रूप से घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के डेरा गदाई गांव के सामने नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब दो बजे सड़क पार कर रहे एक वृद्ध को तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, डेरा गदाई गांव निवासी रामनाथ गौतम (80) सड़क पार कर रहे थे, तभी सहसो से सोरांव की ओर जा रहे एक कंटेनर ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग निकला घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रसोरांव ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नौ दिवसीय वासंतिक नवरात्र महोत्सव का हुआ शुभारंभ

बैल पर आरूढ़ होकर भक्तों को शैलपुत्री के स्वरूप में दर्शन देंगी मां कल्याणी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शक्तिपीठ मां कल्याणी देवी जी के मंदिर में मां कल्याणी देवी जी की महामंत्री श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक अभिषेक पूजन के साथ प्रातः 5 बजे मंगला आरती कर प्रारंभ किया गया और उन्होंने कहा कि नौ दिवसीय वासंतिक नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन वैदिक ब्राम्हणों के द्वारा शत चंडी महायज्ञ प्रातः 8:00 बजे से 11:00 बजे तक एवं शाम को 4:00 बजे से 6:30 तक किया जाएगा और नव संवत्सर प्रतिपदा गुरुवार को मां कल्याणी देवी जी का श्रृंगार दर्शन सांयकाल 6:00 बजे से रात्रि 12:00 तक भक्तों को प्राप्त होगा। मंदिर के अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक ने बताया कि वासंतिक नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मां कल्याणी देवी शैलपुत्री के स्वरूप में बैल पर आरूढ़ होकर और अपने हाथों में त्रिशूल एवं पुष्प कमल धारण कर अनेक प्रकार के आभूषणों एवं विविध प्रकार के पुष्पों से सुसज्जित होकर चांदी एवं चंदन की महल में विराजेंगी और भक्तों को दर्शन देंगीं। और शाम 7 00 बजे और मां कल्याणी देवी जी की महा आरती की जाएगी तत्पश्चात कल्याणी देवी धाम के पास स्थित पार्क में नौ दिनों तक चलने वाली 54 वां संगीतमय श्री राम कथा का शुभारंभ किया जाएगा इस अवसर प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉक्टर अनिरुद्ध जी महाराज वृंदावन के द्वारा रात्रि 11:00 बजे तक भक्तों को राम कथा का अमृतपान प्राप्त होगा।

भजन सम्राट पद्मश्री श्री अनूप जलोटा जी का परमार्थ निकेतन में दर्शनार्थ आगमन, विश्व विख्यात परमार्थ गंगा आरती में किया सहभाग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। भजन सम्राट पद्मश्री श्री अनूप जलोटा जी का परमार्थ निकेतन में दर्शनार्थ आगमन हुआ। यह उनके लिये एक दिव्य, भावपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण था।

श्री अनूप जलोटा जी संगीत के एक ऐसे साधक है जिनकी स्वर-सरिता ने अनगिनत हृदयों को भक्ति से जोड़ा है। उनकी उपस्थिति से ही सम्पूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और प्रेम की मधुर तरंगों से युक्त हो जाता है।

परमार्थ निकेतन की विश्व विख्यात गंगा आरती में उनकी सहभागिता ने इस संध्या को और भी दिव्यता प्रदान की। श्री अनूप जलोटा जी के भजनों की मधुर ध्वनि जब वातावरण में व्याप्त होती है तो हृदय आध्यात्मिक अनुभूतियों से युक्त हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं भक्ति रस साकार रूप में प्रवाहित हो रहा हो।

श्री अनूप जलोटा जी ने पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी से स्नेहिल दिव्य भेंटवार्ता की। इस संवाद में भक्ति, सेवा, संस्कृति और सनातन मूल्यों की गूंज स्पष्ट थी। इस आत्मीय मुलाकात में वर्षों से जुड़े संबंधों की गहराई और पवित्रता झलक रही थी।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में अत्यंत भावपूर्ण शब्दों में कहा कि श्री अनूप जलोटा जी का परमार्थ निकेतन से रिश्ता आज का नहीं, बल्कि उनके पूज्य पिताश्री स्वर्गीय श्री पुरुषोत्तम दास जलोटा जी के समय से है। उन्होंने कहा, 'यह संबंध केवल समय की सीमाओं में बंधा नहीं है, बल्कि यह प्रेम, श्रद्धा और समर्पण की वह गंगा है जो पिछले 50 वर्षों से

निरंतर प्रवाहित हो रही है।'

पूज्य स्वामी जी ने कहा कि 'जो रिश्ते बिना स्वार्थ के होते हैं, वे न तो किस्तों में होते हैं, न ही रास्तों में खोते हैं, और न ही कभी टूटते हैं। ऐसे रिश्ते केवल प्रेम के होते हैं, निर्मल, निष्कलंक और अनंत होते है। श्री अनूप जलोटा जी और परमार्थ निकेतन के बीच का यह संबंध भी ऐसा ही एक दिव्य और खूबसूरत रिश्ता है।'

इस पावन अवसर पर साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि श्री अनूप जलोटा जी के भजनों ने न केवल भारत में, बल्कि विश्वभर में सनातन संस्कृति की मधुर ध्वनि को पहुंचाया है। उनकी आवाज में वह शक्ति है जो सीधे आत्मा को स्पर्श करती है और साधकों को ईश्वर से जोड़ने का माध्यम बनती है।

श्री अनूप जलोटा जी ने भी अपने हृदय की भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि परमार्थ निकेतन उनके लिए केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक घर है। उन्होंने स्मरण किया कि उनके पिताश्री के समय से ही इस धाम से उनका गहरा संबंध रहा है, और यहाँ आकर उन्हें सदैव एक विशेष शांति और आत्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है।

उन्होंने कहा, 'गंगा तट पर बैठकर, पूज्य स्वामीजी के पावन सान्निध्य में आरती में सहभागी होकर जो अनुभूति प्राप्त होती है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। यहाँ हर बार आना ऐसा लगता है जैसे आत्मा को पुनः अपने स्रोत से जोड़ने का अवसर मिल गया हो।'

यह आगमन एक भावनात्मक पुनर्मिलन है, जहाँ वर्षों पुराने संबंधों ने फिर से नई ऊर्जा प्राप्त की। यह वह क्षण है जब भक्ति, संस्कृति और प्रेम एक साथ मिलकर एक अद्वितीय अनुभव का निर्माण कर रहे है। यह एक ऐसी आध्यात्मिक धारा है जो पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित होती रहती है। इस अवसर पर पूज्य स्वामीजी ने रूद्राक्ष का दिव्य पौधा पद्मश्री श्री अनूप जलोटा जी को प्रदान किया।

गंगा माई की बेटियां के शीज़ान खान स्टेज पर हुए इमोशनल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स के मंच पर उस वक्त सपने, मेहनत और एक मां की अटूट हिम्मत का संगम देखने को मिला, जब 'गंगा माई की बेटियां' में सिद्धू का किरदार निभा रहे शीज़ान खान को अपने करियर का पहला अवॉर्ड मिला। देखना न भूलें ज़ी परिवार का सबसे बड़ा जश्न - ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स 2026, जो 22 मार्च शाम 7 बजे सिर्फ ज़ी टीवी पर प्रसारित होगा।

स्वास्थ्य शिविर में 250 रोगियों का निःशुल्क परीक्षण - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। आरोग्य भारती, विश्व आयुर्वेद मिशन एवं सुदर्शन आयुर्वेद एंड वैलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में हनुमानगंज क्षेत्र के कतवारूपुर गांव में प्रवेक कल्प के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें परामर्श के साथ बीएमडी मशीन के द्वारा हड्डियों की जांच एवं ब्लड शुगर की जांच भी की गई। परामर्शदाता चिकित्सकों में मुख्य रूप से आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर, डॉ. सुभाष चंद्र राय, डॉ. अविनाश सिंह एवं आयुर्वेद विभाग से प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अवनीश पाण्डेय ने रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में विशेष रूप से गठिया जोड़ों के दर्द, त्वचा रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग एवं पेट संबंधी बीमारी के रोगी मौजूद रहे। डॉ. तोमर ने बसंत ऋतु में उपयोगी आहार विहार दिनचर्या ऋतुचार्य एवं खान-पान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली एवं सुपोषण आरोग्य की आधारशिला हैं । हमें ऋतु, देश, काल के अनुसार ताज़ा एवं सुपाच्य भोजन ग्रहण करना चाहिए । मौसमी फल एवं सब्जियां ही हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं । पिज़्ज़ा, नूडल्स, बर्गर एवं पास्ता जैसे जंक फूड हमारी सेहत के दुश्मन हैं । जहाँ तक हो सके हमें ज्वार, बाजरा, सामा, कोदों, कुटकी, कुड्डू, रामदाना जैसे श्री अन्न को अपनी थाली में स्थान देना चाहिए । इनमें सेहत का खज़ाना छिपा हुआ है । डॉ तोमर ने शिविर में आए किसानों को ऑर्गेनिक खेती के लाभ बताए तथा गाय से मिलने वाले पंचगव्य एवं उसके चिकित्सीय लाभों की विशेष जानकारी साझा की । सुदर्शन आयुर्वेद एंड वेलनेस सेंटर के निदेशक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में निःशुल्क औषधियाँ उपलब्ध कराने के लिए डॉ तोमर ने प्रवेक कल्प, झंडु, एग्रो फार्मा, ऊँझा, ग्रीन फार्मा, वशिष्ठ फार्मा, अक्षय फार्मा, स्वास्थ्यवर्धक एवं वैद्यनाथ फार्मा के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया ।

नवरात्रि पर्व से पहले जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया शीतला माता मंदिर और कुबरी घाट का निरीक्षण

कौशाम्बी। आगामी नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल और पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने थाना कड़ाधाम अंतर्गत शीतला माता मंदिर एवं कुबरी घाट का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग, बंद परिपथी दूरदर्शी कैमरों की स्थिति, साफ-सफाई एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को सतर्क रहकर दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए गए। मंदिर समिति के सदस्यों से भी आवश्यक सहयोग हेतु संवाद स्थापित किया गया। कौशाम्बी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखें तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पित्रों के तर्पण को गया रवाना

सांसद सीमा द्विवेदी, परिजनों सहित बडी संख्या में ग्रामीणों ने दी विदाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/जौनपुर। जौनपुर के सुजानगंज ब्लाक के ग्रामसभा अचकारी के पूर्व तहसीलदार स्व शोभनाथ द्विवेदी की धर्म पत्नी श्रीमती सूर्यावती द्विवेदी, पूर्व अमीन रमानाथ द्विवेदी सपत्नीक और विजय नाथ द्विवेदी सपत्नीक पित्रों के तर्पण के लिए पूजन अर्चन कर गया जी (बिहार) के लिए प्रस्थान किया। इसके पूर्व यह सभी लोग अयोध्या के भरतकुंड और वाराणसी के पिशाचमोचन घाट पर पिण्डदान और पूजन कर गया के लिए प्रस्थान करेगे। वहां से वापसी में मां विन्ध्याचल धाम और तीर्थराज प्रयागराज में पूजन अर्चन कर घर वापसी करेगे। पूजन अर्चन पं राहुल पराशर और काशी के आचार्यो ने संपन्न कराया।इस दौरान गया जाने वालों को राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, बीएचयू के प्रो (डा) अरूण द्विवेदी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुमन द्विवेदी, भाजपा नेता मनोज द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, संतोष द्विवेदी, पंकज द्विवेदी, प्रभात द्विवेदी, डा अंकुर द्विवेदी सहित बडी संख्या में ग्रामीणों ने गया जाने वालों का माल्यार्पण कर डीजे बैण्ड बजे के साथ विदाई दिया। गया से वापस के बाद यह सभी लोग जगन्नाथ पुरी (उडीसा) के लिए प्रस्थान करेगे। श्रीमदभागवद् कथा और गया जी का भण्डारा नवंबर माह में होने जा रहा है जिसमें बडी संख्या में लोग शामिल होगे।

भिवंडी में भाजपा विधायक महेश चौघुले का जन्मदिन जनसेवा दिवस के रूप में मनाया गया

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, पुस्तक वितरण व सेवा कार्यों का आयोजन

भिवंडी। भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले के जन्मदिन के अवसर पर शहर भर में विभिन्न जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सेवा से जुड़े कई उपक्रम आयोजित कर हजारों नागरिकों को लाभ पहुंचाया गया। कार्यक्रमों के तहत वाघमारे हॉस्पिटल के पास राहगीरों के लिए पाणपोई की व्यवस्था की गई। ब्रह्मानंद नगर क्षेत्र में निःशुल्क मेडिकल कैंप, नेत्र जांच और चश्मा वितरण किया गया। गायत्री मंदिर परिसर में गौसेवा का आयोजन हुआ। देवजी नगर, नारपोली स्थित आइडियल स्कूल में विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की गईं। वहीं दरगाह रोड स्थित गोल्डन होटल परिसर में अल-फैज़ हॉस्पिटल की ओर से मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। नारपोली चौक पर भी नेत्र जांच और चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसके अलावा मातोश्री वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के लिए दोनों समय भोजन की व्यवस्था की गई, जबकि भिवंडी बाल सुधार गृह में बच्चों के लिए विशेष भोजन का आयोजन किया गया। इन सभी जनसेवा कार्यक्रमों का बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ उठाया।आयोजनों के माध्यम से विधायक महेश चौघुले की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता और सामाजिक संवेदनशीलता झलकती है।शाम को स्व. परशुराम टावरे स्टेडियम में उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया, जिसमें शहर के सांसद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विधायक महेश चौघुले का जीवन जनसेवा को समर्पित रहा है और वे निरंतर जनता के सुख-दुख में सहभागी बने हुए हैं।

भिवंडी में 24 घंटे पानी सप्लाई बंद

मनपा की नागरिकों से सहयोग की अपील

भिवंडी। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने नागरिकों को सूचित किया है कि शहर में पानी आपूर्ति 24 घंटे के लिए बंद रहेगी। यह निर्णय स्टेम वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा मानसून पूर्व रखरखाव और मरम्मत कार्य के चलते लिया गया है। जारी सूचना के अनुसार, सोमवार 23 मार्च 2026 सुबह 9 बजे से मंगलवार 24 मार्च 2026 सुबह 9 बजे तक 24 घंटे का शटडाउन रहेगा। इस दौरान स्टेम प्राधिकरण के माध्यम से होने वाली जलापूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी।महानगरपालिका ने बताया कि शटडाउन के बाद भी अगले एक दिन तक शहर में कम दबाव और कम मात्रा में पानी सप्लाई होने की संभावना है। मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे पहले से पानी का संग्रह कर लें और इस दौरान संयमित उपयोग करें, साथ ही प्रशासन को सहयोग दें। यह जलापूर्ति बंद रहने से शहर के ममता टाकी, चाविंद्रा गांव, पटेल नगर, बाला कंपाउंड, फरीदबाग, संगमपाड़ा, कचेरीपाड़ा, ब्राम्हणआळी, कसारआळी, भावेनगर, कोंबडपाड़ा, आदर्श पार्क, अजयनगर, गोकुलनगर, इंदिरानगर, कल्याण रोड, तीन बत्ती, शिवाजीनगर, खड़क रोड, अंजूरफाटा, देवजी नगर, नारपोली, विट्ठल नगर, निजामपुरा, इस्लामपुरा, आमपाड़ा, म्हाडा कॉलोनी, शास्त्रीनगर, नेहरू नगर, मिल्लत नगर, नविवस्ती, कोंडाजीवाड़ी, चव्हाण कॉलोनी, वेताळपाड़ा, अंसार मोहल्ला, कामतघर, भाग्यनगर, हनुमान नगर, कणेरी, गौरीपाड़ा, पद्मानगर, अशोक नगर, कोटरगेट, उर्दू रोड, कुरेशनगर, भादवड, टेमघर सहित कई क्षेत्रों में असर पड़ेगा। यह जानकारी कार्यकारी अभियंता (पानी आपूर्ति विभाग) संदीप जी पाटनावर द्वारा जारी की गई है।

पेसा क्षेत्रों में नगर निकायों के लिए अलग कानून की मांग, ट्रायबल फोरम ने पीएम को सौंपा ज्ञापन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। पेसा (अनुसूचित) क्षेत्रों में नगर पंचायत और नगर परिषद के संचालन के लिए अलग कानून बनाने की मांग को लेकर ट्रायबल फोरम ने केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इस संबंध में संगठन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा गया है।फोरम का कहना है कि संसद ने अब तक पेसा क्षेत्रों में नगर निकायों के कार्य संचालन को लेकर कोई स्वतंत्र कानून नहीं बनाया है, जिसके चलते इन क्षेत्रों में वर्तमान व्यवस्था संवैधानिक दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है।संगठन के अनुसार, महाराष्ट्र में बढ़ती जनसंख्या के कारण कई ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत का दर्जा दिया गया है, लेकिन पेसा क्षेत्र में आने वाले इन नगर निकायों के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान नहीं हैं। इससे इनकी वैधता पर सवाल खड़े होते हैं।ट्रायबल फोरम ने बताया कि देश के आदिवासी बहुल अनुसूचित क्षेत्रों को पेसा क्षेत्र कहा जाता है, जिनके लिए संविधान की पांचवीं अनुसूची में विशेष प्रावधान किए गए हैं। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत नगर निकायों से जुड़े प्रावधान सीधे तौर पर इन क्षेत्रों पर लागू नहीं होते।फोरम का यह भी कहना है कि 74वें संविधान संशोधन (1992) के तहत नगर परिषदों के संचालन के लिए कानून बनाए गए, लेकिन अनुसूचित क्षेत्रों के लिए आवश्यक संशोधन और अपवाद तय करने की जिम्मेदारी संसद की है, जो अब तक पूरी नहीं की गई है।

25 वर्षों से लंबित है मसौदा....

संगठन ने बताया कि पेसा क्षेत्रों में नगर पंचायत और नगर परिषद गठन को लेकर संसद में 2001 में एक मसौदा तैयार किया गया था, जो पिछले 25 वर्षों से लंबित है और अब तक पारित नहीं हो सका है।

बिना कानून के ही गठित हुए निकाय....

ट्रायबल फोरम के अनुसार, संसद द्वारा कानून पारित किए बिना ही महाराष्ट्र सरकार ने अनुसूचित क्षेत्रों में नगर पंचायतों का गठन कर दिया और राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव भी कराकर उनका संचालन शुरू कर दिया।फोरम के कोकण विभाग के कार्याध्यक्ष सुनील झलके ने कहा कि जब तक संसद इस विषय पर स्पष्ट कानून नहीं बनाती, तब तक अनुसूचित क्षेत्रों में नगर पंचायत और नगर परिषद का गठन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आदिवासी समाज को संवैधानिक न्याय दिलाने के लिए जल्द कानून बनाने की मांग की है।

भिवंडी में महिला हिंसा की वारदात बढ़ी, 3 पर केस

महिला व नाबालिग बेटी का पीछा कर अश्लील मैसेज व एसिड अटैक की धमकी

महिला से अभद्रता व धमकी का मामला, दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में महिलाओं के साथ हिंसक वारदात की घटना बढ़ रही है।नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज और धमकी देने का मामले में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।वही भोईवाड़ा इलाके में एक व्यक्ति पर महिला और उसकी नाबालिग बेटी का लंबे समय से पीछा करने, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने और एसिड अटैक की धमकी देने का मामल प्रकाश में आया है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के राजनोली इलाके में रहने वाली 30 वर्षीय पीड़िता महिला 17 मार्च 2026 की सुबह करीब 11 बजे अपर लोढ़ा, मोठागांव रोड पर थी।इसी दौरान छत्रपती बालाराम पाटील (65) और शैलेश छत्रपती पाटील (31), निवासी सुरई ने पीड़िता के पति को जान से मारने की धमकी दी। इसके साथ ही उन्होंने महिला के साथ अश्लील गाली-गलौज की और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे महिला और उसकी बहन की मान-प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची।इस मामले में महिला की शिकायत पर 17 मार्च को नारपोली पुलिस ने दोनों पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 75, 79, 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। इसी तरह बंदर मोहल्ला स्थित हागा हाउस बिल्डिंग में रहने वाली 41 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि फहाद मंसूर सुरमे (35) पिछले करीब दो वर्षों से उनका लगातार पीछा कर रहा था। आरोपी महिला के व्हॉट्सऐप पर बार-बार अश्लील संदेश भेजता था और आपत्तिजनक हरकतों से परेशान करता था।शिकायत में बताया गया है कि आरोपी ने महिला के फोटो लेकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'My Girlfriend My Love Amreen' जैसे कैप्शन के साथ पोस्ट कर उन्हें वायरल किया, जिससे महिला की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची।मामला और गंभीर तब हुआ जब आरोपी ने महिला की 16 वर्षीय बेटी का भी पिछले छह महीनों से पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उसने रास्ते में लड़की का हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की और उससे बात करने का दबाव बनाया। मना करने पर आरोपी ने उस पर एसिड फेंकने की धमकी भी दी।भोईवाड़ा पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 74, 78, 351(2), 115(2) के साथ ही पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और 12 तथा आईटी एक्ट की धारा 66(ई) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी फरार है और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक प्रमोद कुंभार कर रहे हैं।

4.44 लाख के गहनों की चोरी, बेटी के दोस्तों पर शक

भिवंडी। भिवंडी में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। नारपोली पुलिस थाने में एक घर से करीब 4.44 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। वहीं शहर के अलग-अलग इलाकों से दो बाइक चोरी होने से नागरिकों में दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार कशेली इलाके में रहने वाली दिशा रविंद्र लखानी (34) ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने बेटे के साथ कोलकाता गई हुई थीं, जबकि उनकी बेटी घर पर अकेली थी। 13 जनवरी से 21 फरवरी 2026 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने खुले दरवाजे से घर में प्रवेश कर बेडरूम के लॉकर में रखे सोने के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी गए गहनों की कीमत करीब 4.44 लाख रुपये बताई गई है। पीड़िता ने अपनी बेटी के कुछ दोस्तों–साक्षी कदम, समीक्षा कचरे, जान्हवी बिटला और अभिदीप रॉय–पर संदेह जताया है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला 17 मार्च को दर्ज किया गया। शिकायत में देरी को लेकर पीड़िता ने बताया कि पहले उन्होंने निजी स्तर पर पूछताछ की, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(अ) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्र पाटिल कर रहे हैं।

दो बाइक चोरी, पुलिस जांच में जुटी

भिवंडी। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। तीनबत्ती इलाके में साईधाम बिल्डिंग निवासी ममता राकेश सोनी (46) की सुजुकी एक्सेस/बर्गमैन स्ट्रीट स्कूटी (MH-05 FY-9908) 15 मार्च की रात चोरी हो गई। इसकी कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। इसी तरह ट्रांसपोर्ट व्यवसायी संजय सोपान वालुंज (51) की हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल (MH-04-KH-7444) रहनाल क्षेत्र से चोरी कर ली गई। इसकी कीमत करीब 15 हजार रुपये है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस आसपास के इलाकों में जांच कर रही है और चोरी गए वाहनों की तलाश जारी है।

आईआरसीटीसी ने मुंबई से 'अस्टोनिशिंग ऑस्ट्रेलिया' सर्वसमावेशी पर्यटन पैकेज की घोषणा की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई : भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम ने पश्चिम क्षेत्र, मुंबई से 'अस्टोनिशिंग ऑस्ट्रेलिया एक्स मुंबई' नामक एक आकर्षक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पैकेज की घोषणा की है। यह पैकेज यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर कराने वाला किफायती सर्वसमावेशी पर्यटन कार्यक्रम है।

यह यात्रा 10 रात और 11 दिन की होगी। इसका प्रस्थान 05 मई 2026 को मुंबई से होगा और 16 मई 2026 को वापस मुंबई पहुँचेगी।

इस यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख शहर मेलबर्न, केर्न्स, गोल्ड कोस्ट और सिडनी की सैर कराई जाएगी। यहाँ पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता, रोमांच और आधुनिक शहरी जीवन का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

पश्चिम क्षेत्र के समूह महाप्रबंधक गौरव झा ने बताया कि इस पैकेज की कीमत 3 लाख 90 हजार रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित की गई है, जो दो व्यक्तियों के साथ कमरे में ठहरने के आधार पर होगी। इस पैकेज में यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने के लिए कई व्यापक सुविधाएँ शामिल की गई हैं।

पैकेज में शामिल प्रमुख सुविधाएँ इस प्रकार हैं :

मुंबई से मेलबर्न तथा सिडनी से मुंबई तक आने-जाने की अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा

मेलबर्न से केर्न्स, केर्न्स से ब्रिस्बेन और ब्रिस्बेन से सिडनी के बीच आंतरिक हवाई यात्रा

विमान सेवा की नीति के अनुसार सामान ले जाने की अनुमति

यात्रा कार्यक्रम के अनुसार चार सितारा श्रेणी के होटलों में ठहरने की व्यवस्था पूरे दौरे के दौरान नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्रि भोजन

वातानुकूलित 2×2 विलासितापूर्ण वाहन में दर्शनीय स्थलों की सैर और स्थानांतरण

सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों के प्रवेश टिकट

मार्गदर्शक, चालक और भोजनालयों के लिए मानदेय

ऑस्ट्रेलिया के पर्यटन वीजा का शुल्क

पेशेवर अंग्रेज़ी भाषी पर्यटन मार्गदर्शक की सेवाएँ। हवाई अड्डे से हवाई अड्डे तक साथ रहने वाला समर्पित पर्यटन प्रबंधक। 70 वर्ष तक के यात्रियों के लिए निःशुल्क यात्रा बीमा

प्रति व्यक्ति प्रतिदिन एक पानी की बोतल

नगर कर तथा लागू वस्तु एवं सेवा कर

इच्छुक यात्री कुल पैकेज राशि का 30 प्रतिशत भुगतान करके अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं।

अधिक जानकारी और आरक्षण के लिए यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

संवाददाता।नालासोपारा

नालासोपारा इलाके में गैस सिलेंडर के कारण एक फ्लैट में आग लग गई।जिसके कारण लाखों का घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।परिजनों ने आरोप लगाया है कि उक्त आग गैस सिलेंडर में पहले से लीकेज होने के कारण लगी।जिसकी शिकायत भी गैस एजेंसी में किया जा चुका है।इस घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल व्याप्त है।

मिली जानकारी के अनुसार नालासोपारा पूर्व के शिर्डी नगर में स्थित आचोले गुरुकुल सोसायटी में 102 फ्लैट में हृदय नारायण त्रिपाठी सपरिवार रहते है।सोमवार की सुबह 7 बजे के आस पास जब घर में खाना बनाने का काम चल रहा था।इसी दौरान गैस सिलेंडर में लीकेज होने के कारण घर में आग लग गई और देखते ही देखते आग में पूरे घर को अपने आगोश में लेकर जलने लगा।हालांकि आगजनी की सूचना के बाद अग्निशमन दल की कई गाड़ियां मौके वारदात पर पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद व घर में लगे पानी की टंकी में आग पकड़ने के बाद आग पर तो काबू पा लिया लिया,लेकिन इस दौरान घर में रखा फ्रिज, आलमारी,टीवी व अन्य घरेलू सामान सहित लाखों का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।गनीमत रही कि आग लगने के बाद परिवार के सदस्य घर से बाहर निकल गए।जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।फ्लैट मालिक हृदयनारायण त्रिपाठी ने बताया कि यह आग घर में नया सिलेंडर बदलने व उसने पहले से लीकेज होने के कारण लगी।उन्होंने बताया कि उन्होंने नया सिलेंडर नारायण गैस एजेंसी से लेकर आए थे जिसमें लीकेज होने के कारण घर में आग लगी।जिसकी शिकायत भी उन्होंने एच पी गैस एजेंसी में कर दिया है इधर पुलिस भी आगजनी के बाद रपट दर्ज कर लिया है।लेकिन इस घटना की पुनरावृत्ति को लेकर आस पास के क्षेत्र में भय का माहौल व्याप्त है।

पूर्व सपा विधायक के घर सुबह-सुबह हुआ धमाका दोपहर को दोनों घायल बेटों के खिलाफ हुआ एक्शन

फर्रुखाबाद **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक विजय सिंह के फर्रुखाबाद स्थित घर पर हुए विस्फोट के मामले में उनके दोनों बेटों सहित छह लोगों के खिलाफ बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहे सपा के पूर्व विधायक विजय सिंह के फर्रुखाबाद स्थित घर पर मंगलवार को अचानक हुए तेज धमाके में पांच लोग घायल हो गए थे।

शहर कोतवाली के उपनिरीक्षक इमरान फरीद द्वारा दर्ज मुकदमे में कहा गया है कि वह मंगलवार को अपनी टीम के साथ साहबगंज चौराहे पर वाहनों की जांच पड़ताल कर रहे थे, इसी दौरान एक ई-रिक्शा में दो युवकों को अस्पताल ले जाया जा रहा था, जो झुलस गए थे। फरीद ने बताया कि पूछताछ में घायलों की पहचान अविनाश उर्फ विक्की और अभिषेक उर्फ सिक्की के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो वहां अफरातफरी का माहौल था और चीख-पुकार मची हुई थी। पुलिस उप निरीक्षक ने बताया कि जिस मकान में विस्फोट हुआ था, वहां चारों ओर मलबा फैला हुआ था, और इस दौरान उसमें दबे भैयालाल नामक व्यक्ति को गंभीर हालत में बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया।

घटना में ईशू चौरसिया, रामवीर यादव, राशू मिश्रा समेत अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब आठ बजे जोरदार धमाका हुआ, जिससे मकान की तीसरी मंजिल तक खिड़कियां, दरवाजे और छत क्षतिग्रस्त हो गईं। आसपास के घरों में भी कंपन महसूस किया गया। पुलिस जांच में बेसमेंट से विस्फोटक पदार्थों की गंध आने की पुष्टि हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि मकान में अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का संग्रह या निर्माण किया जा रहा था, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना रहा और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मंगलवार रात को घटनास्थल पर पहुंचे जिले के आला अधिकारियों ने गहन छानबीन के बाद कानपुर से फॉरेंसिक टीम को बुलाया। पूर्व सपा विधायक विजय सिंह भाजपा के कद्दावर नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या के जुर्म में वाराणसी जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

भिवंडी में एचपीवी टीकाकरण की सुस्त रफ्तार; भ्रांतियों को दूर करने के लिए मनपा चलाएगी जागरूकता अभियान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। महिलाओं में होने वाले गर्भाशय के कैंसर को रोकने के लिए 14 से 15 वर्ष की किशोरियों को दी जाने वाली एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन को भिवंडी शहर में बहुत कम प्रतिसाद मिल रहा है। टीकाकरण की इस धीमी गति को देखते हुए मनपा चिकित्सा विभाग ने नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

मनपा के चिकित्सा विभाग की माता एवं बाल कल्याण अधिकारी डॉ. वैशाली बारोट ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया है कि यह विशेष अभियान 8 मार्च से 8 जून तक चलाया जा रहा है। शहर की 6,120 किशोरियों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है।अभियान के पहले दस दिनों में केवल 47 लड़कियों ने ही टीका लगवाया है, जो लक्ष्य की तुलना में बेहद कम है।डॉ. बारोट के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा वैक्सीन के बारे में गलत अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि यह टीका सुरक्षित नहीं है या इससे भविष्य में बांझपन हो सकता है। इन अफवाहों को रोकने और टीकाकरण बढ़ाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। आशा कार्यकर्ता और नर्सें घर-घर जाकर किशोरियों की पहचान कर रही हैं और उनके अभिभावकों को टीके के महत्व के बारे में समझा रही हैं।नागरिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी स्कूलों में जाकर छात्रों और अभिभावकों के साथ बैठकें कर रहे हैं ताकि वैज्ञानिक जानकारी साझा की जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और गर्भाशय के कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है-पीवी सिंधू

गुरुग्राम **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू ने इस बात पर जोर दिया कि उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी है और पढ़ाई को नजरअंदाज करके सिर्फ खेल पर ध्यान देना बहुत जोखिम भरा है क्योंकि एक ही चोट से खेल करियर खत्म हो सकता है। पूर्व विश्व चैंपियन ने डीपीएस इंटरनेशनल में एक बातचीत के दौरान शिक्षाविद देवयानी जयपुरिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

हैदराबाद की इस खिलाड़ी ने अपनी बात को समझाने के लिए अपनी जिंदगी के कई पहलुओं का जिक्र किया। इनमें 2016 के ओलंपिक से पहले का वह दौर भी शामिल है जब वह अपने बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' होने के कारण परेशान थीं और उन्हें खुद पर शक होने लगा था। उन्होंने कहा, 'मैं इतने साल से खेल रही हूं। कभी न कभी तो आपको 'रिटायर' होना ही पड़ता है। और यही सच है। आप 45, 50 या 60 साल की उम्र तक शीर्ष स्तर पर नहीं खेल सकते।' सिंधू ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद की बात का समर्थन किया जिन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों के माता-पिता से शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'आपको इस बात को स्वीकार करना ही होगा कि शिक्षा हमेशा पूरी जिंदगी आपके साथ रहेगी और हमेशा आपके पास रहेगी।' उन्होंने कहा, 'कोई भी सोने की चम्मच लेकर पैदा नहीं होता और आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ती है, चाहे वह पढ़ाई में हो या खेल में। पढ़ाई और खेल दोनों ही अहम हैं। मैंने अपना एमबीए किया है। इसलिए मुझे पता है कि यह आसान नहीं है। आप सुबह ट्रेनिंग के लिए जाते हैं, वापस आते हैं, पढ़ाई करते हैं, फिर शाम के सत्र के लिए जाते हैं।'

सिंधू ने कहा, 'सच तो यही है कि खेल एक बहुत छोटी सी चीज है। शिक्षा हमेशा आपके साथ रहेगी। खेल भी जरूरी है, लेकिन इतना भी नहीं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी तरह से रोक दें।' तीस साल की यह खिलाड़ी अभी ब्रेक पर है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी के चलते हवाई क्षेत्र बंद करने की वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए दुबई में रुकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान लगने वाली चोटों से उबरना मुश्किल हो सकता है इसलिए उन्होंने उभरते हुए खिलाड़ियों से पढ़ाई का एक विकल्प अपने पास रखने की बात कही।

सिंधू ने कहा, 'हो सकता है मेरी बात थोड़ी कड़वी लगे, शायद अभी उन्हें यह बात समझ नहीं आए, लेकिन जिंदगी के बाद के पड़ाव में उन्हें यह जरूर समझ आएगा कि पढ़ाई भी

उतनी ही जरूरी है। खेल कभी-कभी बहुत जोखिम भरा हो सकता है। इसमें कभी भी चोट लग सकती है। उन्होंने कहा, 'चोट से आपका करियर खत्म हो सकता है, आपकी सर्जरी हो सकती है। और चोटें बताकर नहीं आतीं, बस हो जाती हैं। ऐसे समय में, आपको यह पक्का करना होता है कि आप जिंदगी में हर चीज के लिए तैयार हैं।'

उन्होंने 2015 को याद किया जब उनके बाएं पैर में 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हो गया था जिससे उनका करियर खत्म होने का खतरा पैदा हो गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था। इसके चलते 2016 के ओलंपिक से पहले उनके पास तैयारी के लिए बहुत कम समय बचा था। इसके बावजूद रियो डि जिनेरियो में हुए उन खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मामला गंभीर था। कई हफ्तों तक दर्द के साथ खेलने के बाद मैं ठीक समय पर डॉक्टर के पास पहुंच पाई। मेरे मन में खुद को लेकर शक पैदा हुआ था कि क्या मैं दोबारा खेल पाऊंगी या नहीं।'

भारत का पूल कड़ा और संतुलित : मुख्य कोच शुअर्ड मरिने

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने बुधवार को आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 के पूल डी को 'बहुत ही कड़ा और संतुलित' बताया। यह बात उन्होंने तब कही जब भारतीय महिला हॉकी टीम को इंग्लैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ही पूल में रखा गया। भारतीय टीम, जिसने हाल ही में इस बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालिफ़ाई किया है, उसे अगस्त में होने वाले ग्रुप स्टेज में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। चीन, जो अभी वर्ल्ड रैंकिंग में चौथे स्थान पर है, इस पूल में सबसे आगे है; उसके बाद इंग्लैंड छठे स्थान पर है, जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः नौवें और उन्नीसवें स्थान पर हैं। विरोधी टीमों की अलग-अलग ताकतों को मानते हुए, मरिने ने कहा कि इस ग्रुप में अनुभव और अप्रत्याशितता का मिला-जुला रूप देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही कड़ा और संतुलित पूल है। इसमें इंग्लैंड और चीन जैसी टीमें हैं जो अलग-अलग शैली और ढेर सारा अनुभव लेकर आती हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका हमेशा अप्रत्याशित होती है और अपने दिन पर बहुत खतरनाक साबित हो सकती है।' हालांकि, कोच ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत

का ध्यान अपनी खुद की खेल शैली को सही तरीके से लागू करने पर ही रहेगा। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे लिए, यह ड्रॉ के बारे में नहीं है - यह इस बारे में है कि हम मैदान पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। विश्व कप में, हर मैच में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। हम सभी विरोधी टीमों का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी हॉकी शैली को लगातार और हिम्मत के साथ खेलने पर है।'

भारत एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर हैदराबाद में उपविजेता रहा था, जहां उसे फाइनल में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने अपने आक्रामक प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया और 11 गोल के साथ दूसरी सबसे ज़्यादा गोल करने वाली टीम बनी; इन 11 गोलों में से छह गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए थे। क्वालिफ़ायर पर बात करते हुए, मरिने ने गोल में बदलने की क्षमता और रक्षात्मक ढांचे में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हमने आगे बढ़कर खेलने में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन हमारे लिए सबसे ज़रूरी बात यह है कि हम अपने मौकों को गोल में बदलने पर ध्यान दें - चाहे वे फील्ड प्ले से मिलें या पेनल्टी कॉर्नर से। इसके साथ ही, हमें अपने रक्षात्मक ढाँचे को लगातार मजबूत करते रहना होगा।'

मरिने, जिन्होंने भारत को टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इस साल जनवरी में मुख्य कोच के तौर पर वापस लौटे और उन्होंने टीम के लिए अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को फिर से दोहराया। 'हम कुछ ऐसा बना रहे हैं जो लंबे समय तक चले। हमें एक ऐसी टीम चाहिए जो मज़बूत, हर हालात में ढल जाने वाली और निडर हो। क्वालिफिकेशन तो बस पहला कदम था, लेकिन हमारा लक्ष्य इससे कहीं ज़्यादा बड़ा है।'

वर्ल्ड कप से पहले की तैयारियों के बारे में बताते हुए मरिने ने कहा कि टीम अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा करेगी, न्यूज़ीलैंड में नेशंस कप में हिस्सा लेगी, और जर्मनी तथा नीदरलैंड्स में अभ्यास मैच खेलेगी। 'ये मैच, हमारे ट्रेनिंग कैंप के साथ मिलकर, हमें अनुभव और तैयारी का सही तालमेल देंगे, जिससे हम वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।'

रोहित-विराट की रिटायरमेंट पर बोले अश्विन, कोच गंभीर को लगा वो आगे बढ़ जाएं तो कोई दिक्कत नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने रिटायरमेंट और टीम मैनेजमेंट को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोच गौतम गंभीर को लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों को आगे बढ़ना चाहिए, तो यह टीम के हित में सही फैसला हो सकता है। अश्विन का यह बयान उनके करियर के अंत और टीम में बदलाव को लेकर चल रही बहस के बीच आया है।

रविचंद्रन अश्विन ने दिसंबर 2024 में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दौरान अचानक संन्यास का ऐलान किया था।ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद उनका यह फैसला पूरे क्रिकेट जगत के लिए चौंकाने वाला था। वह उस समय शानदार फॉर्म में थे और कई रिकॉर्ड्स तोड़ने के करीब भी थे। फिर भी उन्होंने अपने करियर को अपने फैसले के अनुसार खत्म करने का निर्णय लिया।

अश्विन ने कहा कि निर्णय लेना उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है। उन्होंने संकेत दिया कि टीम कॉम्बिनेशन में लगातार बदलाव और मौका न मिलना इस फैसले की बड़ी वजह थी। उनके मुताबिक, जब उन्हें लगा कि अब टीम में उनकी जगह स्थायी नहीं है, तो उन्होंने पीछे हटना बेहतर समझा। उन्होंने यह भी कहा कि वह वापसी के लिए इंतजार करने वालों में से नहीं हैं।

रविचंद्रन अश्विन ने कोच गौतम गंभीर का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कोच का काम टीम के लिए सही फैसले लेना होता है, चाहे उसमें बड़े खिलाड़ियों को बाहर करना ही क्यों न शामिल हो। अश्विन ने साफ कहा कि अगर गंभीर को लगा कि उन्हें, विराट कोहली या रोहित शर्मा को आगे बढ़ना चाहिए, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यह टीम के भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला हो सकता है।

अश्विन ने अपने बयान में ईगो (अहम) को लेकर भी बड़ी बात कही। उन्होंने माना कि क्रिकेट में मिलने वाली लोकप्रियता कभी-कभी खिलाड़ियों को खुद को अजेय समझने पर मजबूर कर देती है। लेकिन अगर खिलाड़ी अपने अहम को अलग रखे, तो चीजें साफ नजर आती हैं।

हॉकी विश्व कप : फिर होगा भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए ग्रुप्स का ऐलान कर दिया गया है और एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की टक्कर देखने को मिलेगी। यह टूर्नामेंट इस साल 15 अगस्त से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में खेला जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को पूल डी में रखा गया है, जहां उसे चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के अलावा इंग्लैंड और वेल्स जैसी मजबूत टीमों से भिड़ना होगा। यह ग्रुप काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। वहीं महिला टीम भी पूल डी में है, जहां चीन, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका जैसी टीमों से मुकाबला होगा।

पुरुष और महिला दोनों भारतीय टीमें अपने सभी ग्रुप मैच नीदरलैंड में खेलेंगी। हालांकि पूरा मैच शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

एम्स्टर्डम के वैगनर स्टेडियम में आयोजित ड्रोन इवेंट में कई दिग्गज हॉकी खिलाड़ी शामिल हुए। तैयब इकराम ने कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया में शांति और एकता का संदेश देने का काम करेगा और दोनों होस्ट देशों का आभार परीक्षण।

आईपीएल 2026 : आरसीबी को झटका, चोट के चलते स्टार गेंदबाज के टीम में शामिल होने में देरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल 2026 से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड शुरुआती मैचों से बाहर हो सकते हैं। चोट के चलते उनकी वापसी में देरी हो रही है, जिससे टीम मैनेजमेंट और फैंस दोनों चिंतित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉश हेजलवुड 11 अप्रैल के बाद ही टीम से जुड़ सकते हैं। उनकी रिकवरी अभी जारी है और सिडनी में रिहैब चल रहा है। फिलहाल आरसीबी मैनेजमेंट उनकी फिटनेस पर हफ्ते-दर-हफ्ते नजर बनाए हुए है। अगर रिकवरी में और देरी होती है, तो टीम को बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है।

जॉश हेजलवुड नवंबर 2025 से ही हैमस्ट्रिंग और अकिलीज़ टेंडन की समस्या से जूझ रहे हैं। इसी वजह से वह एशेज 2025-26 और टी20 वर्ल्ड कप 2026 भी नहीं खेल पाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उनकी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।इसी कारण उनकी वापसी को लेकर सतर्क रवैया अपनाया जा रहा है।

जॉश हेजलवुड आरसीबी की 2025 की खिताबी जीत के हीरो रहे थे। उन्होंने 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम की गेंदबाजी को मजबूती दी थी। उनकी गैरमौजूदगी में विराट कोहली की टीम का पेस अटैक कमजोर नजर आ सकता है। खासतौर पर चिन्नास्वामी जैसे हाई-स्कोरिंग मैदान पर उनकी कमी खल सकती है।

हेजलवुड के बिना आरसीबी को शुरुआती मुकाबलों में दूसरे गेंदबाजों पर निर्भर रहना होगा। टीम के पास भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा और जैकब डफी जैसे विकल्प मौजूद हैं। हालांकि, इन खिलाड़ियों को हेजलवुड जैसी निरंतरता दिखानी होगी। टीम फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की रणनीति अपनाए हुए है।

मीडिल ईस्ट संकट के बीच आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल का बड़ा फैसला

पेट्रोल पंपों को जारी किए आदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की सप्लाई पर मंडराते संकट के बीच देश की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों– आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल –ने बड़ा फैसला लिया है। कंपनियों ने पेट्रोल पंपों के लिए नए निर्देश जारी करते हुए उधार पर ईंधन सप्लाई को रोक दिया है और अब एडवांस पेमेंट को अनिवार्य बना दिया है।

जानकारी के मुताबिक, होरमुज़ जलसंधि के बंद होने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका असर भारत जैसे बड़े आयातक देश पर भी पड़ा है। बताया जा रहा है कि भारत की करीब 40इ क्रूड सप्लाई पर असर पड़ा है। इसी जोखिम को देखते हुए तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंपों को मिलने वाली क्रेडिट सुविधा पर रोक लगा दी है।

डीलर्स के अनुसार, पहले कंपनियां 3-5 दिन का क्रेडिट देती थीं, जिससे वे बड़े ग्राहकों को भी उधार पर फ्यूल दे पाते थे। अब अचानक बदलाव से कारोबार पर असर पड़ सकता है। दिल्ली और अन्य शहरों में पेट्रोल पंप पहले से ही इस फैसले की आशंका जता रहे थे। कुछ जगहों पर निजी कंपनियों ने ऑपरेशन भी सीमित कर दिए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मोलिन्यू चोट से उबरी, वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 आई सीरीज में वापसी के लिए तैयार

किंग्सटाउन **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यू ने कैरेबियन में होने वाली आगामी व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले अपनी पीठ की चोट के बारे में एक अच्छी खबर दी है। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार से शुरू होने वाले टी20 आई मैचों में खेलेंगी। इस साल के आईसीसी महिला टी20 विश्व कप से पहले छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और 2016 की चैंपियन वेस्टइंडीज इस बड़े टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियों को तेज करने का लक्ष्य रखेंगी। ऑस्ट्रेलिया को एक मजबूत ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड शामिल हैं। दूसरी ओर वेस्टइंडीज ग्रुप बी का हिस्सा है, जिसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका शामिल हैं।

मोलिन्यू पीठ की चोट के कारण अपने घर पर भारत के खिलाफ दो वनडे मैच नहीं खेल पाई थीं - यह चोट उन्हें पिछले कुछ समय से परेशान कर रही थी - लेकिन कैरेबियन दौरे की चुनौती से पहले वह पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। आईसीसी के हवाले से मंगलवार को सेंट विंसेंट से मोलिन्यू ने कहा, '(मैं) टी20 आई में खेलूंगी, (मैं) उपलब्ध हूं और टीम में अपनी भूमिका निभाने और मैदान पर वापस आने के लिए उत्सुक हूं, यह तो पक्का है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपनी टीम की लड़कियों के साथ मैदान पर वापस आने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'

यह अभी साफ नहीं है कि वह इस सीरीज के वनडे मैचों में भी खेलेंगी या नहीं। ऐसा माना जा रहा है कि टी20 विश्व कप के लिए उन्हें तरोताजा रखने के मकसद से उन्हें वनडे मैचों में आराम दिया जा सकता है। इस बात को लेकर भी चिंताएं हैं कि क्या मोलिन्यू जो एलिसा हीली के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया की सभी फॉर्मेट की नई कप्तान बनी हैं - किसी भी चरण में गेंदबाजी कर पाएंगी या नहीं, क्योंकि उन्होंने अपनी ट्रेनिंग के दौरान अभी-अभी बल्लेबाजी और फील्डिंग शुरू की है।

मोलिन्यू का लक्ष्य टी20 विश्व कप के दौरान शारीरिक और प्रदर्शन के लिहाज से अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना है। यह सीरीज 12 जून से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया की आखिरी टी20 आई सीरीज है जो उनके लिए बेहद अहम है।

मोलिन्यू ने कहा, 'यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण सीरीज है, क्योंकि टी20 विश्व कप से पहले हमें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिलेगा। हमारा हर मैच बहुत अहम होता है और यह पक्का करता है कि हम उस लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। और मुझे लगता है कि अब मैं डेस्क के पीछे बैठकर टीम को लीड करने के लिए तैयार हूं।'

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु में 20 एकड़ जमीन खरीदी

आवासीय परियोजना से 1, 350 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बेंगलुरु में 20 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी वह एक आवासीय परियोजना विकसित करेगी जिससे अनुमानित 1, 350 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने पूर्वी बेंगलुरु में 20 एकड़ का भूखंड खरीदा है। कंपनी ने हालांकि जमीन की लागत का उल्लेख नहीं किया।

कंपनी ने कहा, ''कंपनी इस स्थल पर एक प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रही है, जिसकी अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 1, 350 करोड़ रुपए है।'' भारत की प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर कंपनियों में से एक गोदरेज प्रॉपर्टीज की मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हैदराबाद में मजबूत उपस्थिति है। कंपनी छोटे शहरों में आवासीय भू-खंड भी बेचती है।

अरिजीत सिंह के 'रिटायरमेंट' पर श्रेया घोषाल का बड़ा बयान, 'मेरा भी मन करता है कि ब्रेक ले लूँ...'

बॉलीवुड संगीत की दुनिया में उस समय हलचल मच गई जब दिग्गज सिंगर श्रेया घोषाल ने अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने के फैसले पर अपनी चुप्पी तोड़ी। श्रेया ने न केवल अरिजीत के इस कदम की सराहना की, बल्कि यह स्वीकार करके सबको चौंका दिया कि वह खुद भी कई बार संगीत की इस भागदौड़ से ब्रेक लेने के बारे में सोचती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, उनसे अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट पर उनके रिएक्शन के बारे में पूछा गया और क्या उन्हें लगता है कि जिस तरह से उन्होंने ब्रेक लिया, उसी तरह से ब्रेक लेना ज़रूरी है।

अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने पर कमेंट करते हुए, वे कमलेया सिंगर ने कहा, 'मुझे तो कभी-कभी बहुत मन होता है ऐसा करने का। उसने तो बहुत बहादुरी से ये फैसला लिया, तो मुझे लगता है, उसे सलाम। वो दिल से म्यूजिशियन है, वो रग-रग से म्यूजिशियन है। वो नहीं सोचता कि मैं ये म्यूजिक किस लिए कर रहा हूं; जहां उसको खुशी मिलती है, वही करता है। वो बिना किसी दिखावे के करता है, और इसीलिए लोग उसे पसंद करते हैं। उसके लिए म्यूजिक बड़ा है। उससे फर्क नहीं पड़ता कि वो गा रहा है या नहीं। उसे अपने आस-पास के आर्टिस्ट बहुत पसंद हैं (मुझे भी कभी-कभी ब्रेक लेने का मन करता है। उसने यह फैसला बहुत बहादुरी है, इसलिए मुझे लगता है कि उसे सलाम। वह पूरी तरह से एक म्यूज़िशियन है, वह यह नहीं सोचता कि वह म्यूज़िक क्यों कर रहा है; वह बस वही करता है जिससे उसे खुशी मिलती है। वह बिना किसी दिखावे के यह करता है, और इसीलिए लोग उसे पसंद करते हैं। उसके लिए, म्यूज़िक किसी भी चीज़ से बड़ा है, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि वह गा रहा है या नहीं। वह अपने आस-पास के कलाकारों से भी प्यार करता है।)'

उसी इंटरव्यू में, श्रेया घोषाल ने बताया कि उन्होंने कहा कि लाइव परफ़ॉर्म करना एक कलाकार के तौर पर उनकी पहचान है, और उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वह कभी भी स्टेज पर लिप-सिंकिंग पर निर्भर नहीं रहना चाहेंगी। उनसे पूछा गया कि यह देखा गया है कि कई मशहूर सिंगर अक्सर स्टेज परफ़ॉर्मेंस के दौरान लिप-सिंक करते हैं क्योंकि लाइव सिंगिंग के लिए बहुत एनर्जी की ज़रूरत होती है। लेकिन आप ऐसा कभी नहीं करते, आप हमेशा लाइव परफ़ॉर्म करते हैं।

इस पर श्रेया ने जवाब दिया, 'कुछ आर्टिस्ट होते हैं जो लिप-सिंक करते हैं, क्योंकि वो सच में स्टेज पर गाने के लिए नहीं बने, उनका स्टाइल अलग है। लेकिन मुझे उस चीज़ से बहुत दिक्कत होती है। जिस दिन मुझे ऐसा करना पड़ेगा, मैं गाना बंद कर दूंगी। (कुछ आर्टिस्ट लिप-सिंक इसलिए करते हैं क्योंकि वे असल में स्टेज पर गाने के लिए नहीं बने होते; उनका स्टाइल अलग होता है। लेकिन यह मुझे सच में परेशान करता है,

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
सामान्य विद्युत सेवा

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्र.:** सोला/वि/नि/2025/37, **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अंतर्गत कलबुर्गी रेलवे स्टेशन पर नई पिट लाइन के प्रावधान के संबंधित कार्य का सामान्य विद्युत सेवा भाग। **कार्य की लागत:** रु. 1,86,23,708.30, **बोली प्रतिभूति:** रु.3,72,500/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन, **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दिनांक 09.04.2026 को 15:00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई–पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)
DE/Sur-09 **मध्य रेलवे, सोलापुर**

सुरक्षित यात्रा करें,
फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस कचरा प्रबंधन विभाग
क्रमांक : ईईटीआर/सी/5994 / ठोस कचरा प्रबंधन दिनांक : 18.03.2026

ई-निविदा सूचना

विभाग	ठोस कचरा प्रबंधन
उप-विभाग	उप मुख्य अभियंता (ठोस कचरा प्रबंधन) परिवहन / कार्यकारी अभियंता परिवहन (शहर)
विषय	कार्यकारी अभियंता परिवहन (शहर) के अंतर्गत विभिन्न गैरेजों के लिए ट्रक टायर बदलने वाली मशीन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं चालू करना
निविदा क्रमांक	2026_एमसीजीएम_1288244_1
निविदा प्रारंभ तिथि एवं समय	18.03.2026 शाम 04:30 बजे के बाद
निविदा समाप्ति तिथि एवं समय	23.03.2026 शाम 04:30 बजे तक
वेबसाइट	http://mahatenders.gov.in
ईमेल पता	eetrcity@gmail.com

पीआरओ/3348/विज्ञा./2025-26 **कार्यकारी अभियंता (परिवहन) - शहर**

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया हाई कोर्ट का आदेश, संपत्ति हड़पने के मामले में बहाल की एफआईआर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के एक आदेश को रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने शिमला जिले में करोड़ों रुपये की पैतृक संपत्ति हड़पने के आरोप वाली प्राथिमिकी को खारिज कर दिया गया था। इस प्राथमिकी में धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए थे।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने बुधवार को दिए गए फैसले में शिकायतकर्ता शरला बाजलियल और हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से दायर अलग-अलग अपीलों को स्वीकार किया। ये अपीलें जमीन हड़पने के मामले में प्राथमिकी रद्द किए जाने के खिलाफ दायर की गई थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमने पाया है कि हाई कोर्ट ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए शुरुआती चरण में ही प्राथमिकी को रद्द कर दिया, जबकि जांच पूरी तरह चल रही थी और अहम सबूत अभी जुटाए जाने बाकी थे। जस्टिस मेहता ने अपने फैसले में कहा कि हाई कोर्ट की ओर से प्राथमिकी रद्द करना पूरी तरह अनुचित था। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी में जालसाजी के स्पष्ट आरोप थे और जांच एजेंसी ने

11 विवादित दस्तावेजों की हैंडराइटिंग विशेषज्ञ से जांच कराने की प्रक्रिया शुरू की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा स्पष्ट मत है कि हाई कोर्ट ने जल्दबाजी में प्राथमिकी से जुड़े मामले की कार्यवाही समाप्त कर दी, जबकि शिकायतकर्ता ने धोखाधड़ी, दस्तावेजों में हेरफेर, जालसाजी और आपराधिक विश्वासघात जैसे स्पष्ट आरोप लगाए थे।

अदालत ने जांच अधिकारी को निर्देश दिया कि वह जांच जल्द पूरी करे और संबंधित निचली अदालत में आरोपपत्र दाखिल करे। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले में की गई टिप्पणियां केवल इस अपील के निर्णय तक सीमित हैं और मामले के आगे के चरणों में पक्षों के अधिकारों और बचाव पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

शिकायतकर्ता ने क्या आरोप लगाए हैं?

आरोप है कि बलदेव ठाकुर, दलजीत सिंह और जीनपुरी कमसुओन ने मिलकर शिकायतकर्ता के पिता दिवंगत जीबी बाजलियल की पैतृक संपत्ति और संपत्तियों को धोखाधड़ी से हड़पने की साजिश रची। अगस्त 2022 में शिमला में राज्य सीआईडी की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने शिकायतकर्ता के पिता की पत्नी की मृत्यु के बाद उनकी बिगड़ती मानसिक और शारीरिक स्थिति का फायदा उठाया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें बहला-फुसलाकर पारिवारिक संपत्ति और बैंक की रकम अपने नाम करवा ली। प्राथमिकी में यह भी आरोप है कि बाजलियल के बैंक खातों से करीब 1.18 करोड़ रुपये बिना किसी वैध लेन-देन के दलजीत सिंह को ट्रांसफर किए गए।

इसके अलावा, 2017 में लगभग 49 बीघा पारिवारिक जमीन को ठाकुर को 3.9 करोड़ रुपये में बेचा गया, जो कथित तौर पर सर्किल रेट से काफी कम कीमत पर था। जांच में बाद में बिक्री मूल्य और सरकारी सर्किल रेट के बीच अंतर पाया गया, जिससे कम मूल्यांकन और संभावित धोखाधड़ी के संकेत मिले। हाई कोर्ट ने जनवरी 2024 में एफआईआर को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि आरोपों में धोखाधड़ी या जालसाजी के जरूरी तत्व स्पष्ट नहीं हैं और वे केवल अनुमान पर आधारित लगते हैं।

पालम अग्निकांड : दिल्ली अग्निकांड में 9 की मौत पीएम मोदी ने किया 2 लाख के मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पालम आवासीय भवन में लगी आग में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से घायलों को 50, 000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना बेहद दुखद है। मैं अपनों को खोने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50, 000 रुपये दिए जाएंगे।

इस बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों से पीड़ितों की मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पालम में आग लगने से कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। मैं कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील करती हूं कि वे पीड़ितों की यथासंभव मदद करें। तड़के पालम के साध नगर इलाके में एक रिहायशी इमारत में कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। दिल्ली दमकल सेवा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस और अन्य एजेंसियां राहत कार्य में लगी हुई हैं।

दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है, जबकि अब तक तीन लोग घायल हुए हैं। मृतकों में से आठ, प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) और तीन नाबालिग लड़कियां (उम्र 15, 6 और 3 वर्ष) शामिल हैं, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, एक महिला, दीपिका (28), को आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया, जहां दो लोग, अनिल (32) और एक लड़की (2) का इलाज चल रहा है।

एक अन्य व्यक्ति, सचिन (29), लगभग 25इ झुलसने के कारण सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है। एएनआई से बात करते हुए, राष्ट्रीय आपदा राहत बल के उप निरीक्षक विक्की रंगा ने कहा कि बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आग ने इमारत को अंदर से क्षतिग्रस्त कर दिया है।

पूर्व भारतीय राजनयिक का बयान

लंबी चलेगी जंग, ईरान की ताकत से दुनिया हैरान अमेरिका-इजराइल भी नहीं तोड़ पाए तेहरान!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट की जंग अब सिर्फ सैन्य टकराव नहीं, बल्कि रणनीति और सहनशक्ति की परीक्षा बनती जा रही है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के दबाव के बावजूद जिस तरह खुद को संभाला है, उसने वैश्विक रणनीतिक समीकरणों को बदलने के संकेत दिए हैं। पूर्व भारतीय राजनयिक दिलीप सिन्हा ने कहा कि ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष लंबा खिंच सकता है। दिलीप सिन्हा, जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि रह चुके हैं, का मानना है कि ईरान के खिलाफ चल रहा यह संघर्ष अब 'वॉर ऑफ एट्रिशन' यानी लंबी खींचने वाली जंग में बदल सकता है।

उन्होंने कहा कि ईरान ने अपनी सैन्य तैयारी से सबको चौंका दिया है। ड्रोन और मिसाइलों के साथ-साथ उसने अपने हथियारों को सुरक्षित और छिपे हुए ठिकानों पर रखा है, जिससे दुश्मनों के लिए उन्हें निशाना बनाना आसान नहीं है। सिन्हा ने यह भी कहा कि भले ही ईरान के कई बड़े नेता मारे गए हों, लेकिन उसकी निर्णय लेने की क्षमता पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। इसका कारण है विकेंद्रीकृत सिस्टम, जिसमें फैसले केवल शीर्ष नेतृत्व पर निर्भर नहीं हैं। सिन्हा ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकरा रास्ता भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि देश की बड़ी तेल सप्लाई यहीं से गुजरती है।

उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को वैकल्पिक रास्तों और ऊर्जा स्रोतों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सके। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी सिन्हा ने चिंता जताई। उन्होंने अस्पताल पर हुए कथित हमले को 'भयानक' बताया और कहा कि अगर पाकिस्तान आतंक के खिलाफ कार्रवाई का दावा करता है, तो उसे भारत के अधिकार को भी मानना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान पर 'दोहरा रवैया' अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि वह अफगानिस्तान की कमजोर स्थिति का फायदा उठा रहा है।संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर सवाल उठाते हुए सिन्हा ने कहा कि यह एक राजनीतिक संस्था है, जहां बड़ी ताकतों का ज्यादा प्रभाव होता है।

नोरा फतेही के गाने पर भड़कीं कंगना रनौत, इंडस्ट्री की लगाई क्लास

मुंबई। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के तरीके की कड़ी आलोचना की है। यह पूरा विवाद फिल्म 'केडीः द डेविल' के एक गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' को लेकर शुरू हुआ, जिसमें नोरा फतेही नजर आई थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस गाने के बोल और डांस के स्टेप्स को महिलाओं का अपमान बताने हुए इसका कड़ा विरोध किया। बढ़ते विवाद को देखकर इस गाने को यूट्यूब से हटा दिया गया है। इस मामले पर अपनी बात रखते हुए कंगना रनौत ने कहा कि बॉलीवुड के लोग मशहूर होने और लोगों का ध्यान खींचने के चक्कर में अपनी मर्यादा भूल गए हैं। उन्होंने फिल्म जगत की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इसे समाज के लिए ठीक नहीं बताया।

कंगना ने कहा, 'बॉलीवुड ने पब्लिसिटी पाने के लिए अश्लीलता और घटिया हरकतों की सारी हदें पार कर दी हैं। पूरा देश उनकी बुराई कर रहा है और उन्हें डांट रहा है, लेकिन उन्हें फिर भी शर्म नहीं आ रही।'

कंगना का मानना है कि फिल्मों और गानों में दिखाए जाने वाले ऐसे कंटेंट पर रोक लगनी चाहिए क्योंकि इसका असर हमारे संस्कारों और बच्चों पर पड़ता है। उन्होंने मांग की है कि ऐसे वीडियो को रोकने के लिए कड़े नियम होने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि इस तरह की चीजों पर सख्त कंट्रोल होना चाहिए। ऐसी अश्लीलता हमारी संस्कृति को नुकसान पहुंचाती है। अब हालत ऐसी है कि परिवार के साथ बैठकर टीवी देखना भी मुश्किल हो गया है। बॉलीवुड को खुद को सुधारने की जरूरत है।'

इस विवाद के बाद देश में एक नई बहस शुरू हो गई है। कुछ लोगों का कहना है कि फिल्मों पर कड़े नियम होने चाहिए, ताकि समाज पर बुरा असर न पड़े। वहीं, कुछ लोग इसे कलाकार की आजादी मान रहे हैं। फिलहाल, फिल्म के बनाने वालों की तरफ से इस विवाद पर अभी तक कोई सफाई नहीं आई है।

रियाद पर बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला नाकाम, सऊदी सेना ने आसमान में ही किया तबाह

रियाद **(एजेंसी)**। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने रियाद के राजनयिक क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे एक अन्य ड्रोन को रोके जाने की पुष्टि की है। यह ताजा घटना हवाई खतरों की एक श्रृंखला के बाद हुई है, क्योंकि सऊदी सेना ने हाल के घंटों में कई ड्रोनों को सफलतापूर्वक मार गिराया है। रोके गए लक्ष्यों में कम से कम एक अन्य विमान भी शामिल था जो कथित तौर पर उसी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा था। ड्रोन हमलों के अलावा, सऊदी सैन्य इकाइयों ने इसी दौरान बढ़ी हुई गतिविधियों के बीच एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी निष्क्रिय कर दिया। मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया गया, लेकिन मंत्रालय ने बताया कि इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास मलबा गिरा।

हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की कि गिरे हुए टुकड़ों से बेस या आसपास के क्षेत्रों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

तेजी से बढ़ते शत्रुतापूर्ण माहौल के बीच, सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि वह बुधवार शाम

को राजधानी में अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों के एक समूह की उच्च स्तरीय बैठक की मेजबानी करेगा। मंत्रालय द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक लेख के अनुसार, इस परामर्श सत्र का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने के तरीकों के संबंध में परामर्श और समन्वय करना है।

ये महत्वपूर्ण चर्चाएँ ऐसे समय में हो रही हैं जब अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच व्यापक टकराव 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है। 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त सैन्य अभियान के बाद क्षेत्रीय स्थिति और बिगड़ गई, जिसके जवाब में तेहरान ने कई दौर के ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन जवाबी हमलों में खाड़ी देशों, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका की संपत्तियों को निशाना बनाया गया है, जो इस क्षेत्र में वर्षों में सबसे गंभीर सुरक्षा आपातकाल का संकेत है। इस बढ़ती हिंसा का असर प्रमुख रसद और परिवहन क्षेत्रों पर तीव्र रूप से महसूस किया गया है। दुबई और दोहा के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को बार-बार बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे व्यवधान उत्पन्न हुए हैं जिन्होंने वैश्विक व्यापार, यात्री यात्रा और आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति की आपूर्ति को गंभीर रूप से बाधित किया है।

नेपाल में लैंडिंग दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश, उलटा लटका, फिरकी जैसे घूमा और चकनाचूर

खोटांग **(एजेंसी)**। काठमांडू से उड़ान भरकर पूर्वी नेपाल के खोटांग जिला जा रहा एक हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।यह हेलीकॉप्टर एयर डायनेस्टी का था, जो एक शव को लेकर खेत में उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ गया और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। जिला प्रशासन की प्रमुख रेखा कंडेल के अनुसार, यह हादसा खेत में लैंडिंग के दौरान हुआ और इसमें कोई जान नहीं गई। हालांकि, एक यात्री घायल हुआ है, जिसे बचाने के लिए तुरंत दूसरा हेलीकॉप्टर भेजा गया।

हेलीकॉप्टर में कुल 5 यात्री सवार थे, जिनमें पायलट साबिन थापा भी शामिल थे। पायलट और अन्य यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लैंडिंग के समय तेज हवाएं या धूल का गुबार हादसे की वजह बन सकता है। हालांकि, असली कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर नेपाल के पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर उड़ानों के दौरान आने वाली चुनौतियों और जोखिमों को उजागर करती है।

टूटी उंगली से साइन कैसे? हाईकोर्ट ने उठाए सवाल बीना मोदी के खिलाफ कार्यवाही पर तत्काल रोक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बीना मोदी और ललित भसीन द्वारा जारी समन के विरुद्ध दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत में उनके खिलाफ चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। फरवरी में साकेत अदालत ने समीर मोदी द्वारा दायर मारपीट के मामले में उन्हें समन जारी किया था। उन्होंने समन को चुनौती दी है और इसे रद्द करने की मांग की है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा और समीर मोदी को भी नोटिस जारी किया। इस बीच, निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगी हुई है। मामले की सुनवाई जुलाई में होनी है। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी बीना मोदी की ओर से पेश हुए और उन्होंने तर्क दिया कि समन आदेश अनुचित है। याचिकाकर्ता बीना मोदी एक गवाह थीं जिन्हें अदालत ने आरोपी बना दिया है। समन आदेश निराधार है।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर याचिकाकर्ता वकील ललित भसीन की ओर से पेश हुए। सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि बोर्ड की बैठक के दौरान ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। उन्होंने उस दिन के सीसीटीवी फुटेज का भी हवाला दिया। उन्होंने आगे कहा कि समीर मोदी दोपहर 12 बजे बैठक कक्ष में दाखिल हुए और दोपहर 2 बजे तक वहीं रहे। उन्होंने बैठक के दौरान लगभग 20 पन्नों पर हस्ताक्षर भी किए। अगर उनकी तर्जनी उंगली टूटी हुई थी, तो वे कागजों पर हस्ताक्षर कैसे कर सकते थे? सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने जांच अधिकारी को फटकार लगाई और उनसे पूछा कि उन्होंने यह निष्कर्ष कैसे निकाला कि समीर मोदी की उंगली मारपीट के कारण टूटी थी। न्यायमूर्ति बनर्जी ने जांच अधिकारी से पूछा, 'वह (समीर मोदी) दो घंटे तक बैठक में थे; क्या उन्होंने किसी को अपनी चोट के बारे में बताया था? 10 फरवरी, 2026 को, साकेत न्यायालय ने बीना मोदी और ललित भसीन को उनके बेटे समीर मोदी द्वारा दायर एक मामले में समन जारी किया।

इजराइल का लेबनान में फिर बड़ा एक्शन

हिज़्बुल्लाह के 80 से अधिक ठिकाने ध्वस्त, हथियार भंडार नष्ट

तेल अवीव **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में जंग और तेज होती जा रही है। इजराइल और हिज़्बुल्लाह के बीच टकराव अब खुले सैन्य ऑपरेशन में बदल चुका है, जिसमें इजराइल ने लेबनान में बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर कई ठिकानों को नष्ट करने का दावा किया है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बुधवार को दावा किया कि उसने दक्षिणी लेबनान में चलाए गए एक बड़े 'फॉरवर्ड डिफेंस ऑपरेशन' के तहत हिज़्बुल्लाह से जुड़े 80 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया।

आईडीएफ के अनुसार, यह कार्रवाई उसकी 300वीं ब्रिगेड द्वारा 146वीं डिवीजन के नेतृत्व में की गई, जिसमें टारगेटेड रेड्स के जरिए हिज़्बुल्लाह के इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया। सेना ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में इन ऑपरेशनों के दौरान दो आतंकियों को भी मार गिराया गया, जो छिपे हुए थे। इजराइली सेना का कहना है कि यह अभियान 'फॉरवर्ड डिफेंस लाइन' को मजबूत करने और हिज़्बुल्लाह की सैन्य क्षमता को फिर से खड़ा होने से रोकने के लिए जारी रहेगा। इसी बीच, हिज़्बुल्लाह ने मंगलवार रात इजराइल की ओर दर्जनों रॉकेट दागे। इसके जवाब में इजराइल ने टायर शहर के कुछ इलाकों को खाली कराया और वहां स्थित हथियार भंडार व मुख्यालय पर हवाई हमले किए।

आईडीएफ ने यह भी दावा किया कि उसने बेरूत में 'अल-कर्द अल-हसन' नामक संगठन की संपत्तियों को निशाना बनाया, जिसे वह हिज़्बुल्लाह का वित्तीय नेटवर्क मानता है। इसके अलावा, इजराइल ने हमास के एक कमांडर याह्या अबू-लबदा को मार गिराने का भी दावा किया है। आईडीएफ के मुताबिक, वह रॉकेट निर्माण और सैन्य सामग्री की सप्लाई में अहम भूमिका निभा रहा था।

लाखों लोगों की परेड से पहले मचा हड़कंप!

न्यूयॉर्क की गगनचुंबी इमारत में लगी भीषण आग, मीलों तक दिखे धुएं का गुबार!

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। अमेरिका के मिडटाउन मैनहट्टन में मंगलवार सुबह एक गगनचुंबी इमारत में अचानक आग लग गई। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल के पास हुआ, जो शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक है। आग इतनी भीषण थी कि इमारत की छत से नारंगी लपटें और घना काला धुआं निकलता हुआ कई मील दूर से देखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल साफ नजर आया।

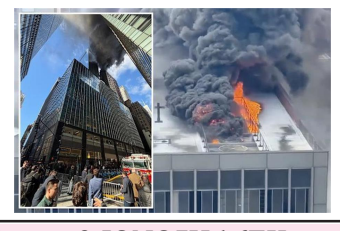

न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग इमारत की छत पर लगे हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम में खराबी के कारण लगी हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक जांच अभी जारी है। हादसे के समय बिल्डिंग में निर्माण कार्य भी चल रहा था।

यह घटना मशहूर सेंट पैट्रिक्स डे परेड शुरू होने से ठीक पहले हुई, जिसमें हर साल लगभग 20 लाख लोग शामिल होते हैं। परेड का रूट फिफ्थ एवेन्यू और ईस्ट 44ए स्ट्रीट से होकर गुजरता है, जो आग वाली जगह से बेहद करीब है। दमकल विभाग ने सुबह 11 बजे से पहले ही आग को पूरी तरह काबू में कर लिया, जिससे परेड अपने तय समय पर शुरू हो सकी और बड़ा हादसा टल गया।घटना के कारण इलाके में ट्रैफिक जाम और पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं में भी बाधा आई। कुछ समय के लिए मैनहट्टन की स्काईलाइन धुएं की वजह से धुंधली पड़ गई।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 | कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)